mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-233 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

25 अगस्त 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगाढ़ से एक साथ प्रकाशित

चेतेश्वर पुजारा ने

@ पेज 7

भारतीय एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट सफल

यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा; ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा

चांदीपुर, एजेंसी। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (IADWS) का पहला टेस्ट किया है। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (QRSAM), एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें (VSHORADS) और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) शामिल हैं।

यह परीक्षण शनिवार (23 अगस्त) को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने X पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। IADWS सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एकसाथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी।

एक साथ 3 टारगेट मार गिराए : परीक्षण के दौरान इस सिस्टम ने 2 हाई स्पीड फिक्स विंग अनमैन्ड ड्रोन, मल्टी कॉप्टर ड्रोन समेत तीन अलग-अलग टारगेट पर अटैक किया। ये तीनों टारगेट अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर थे। IADWS ने इन तीनों को एक साथ निशाना बनाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

सिस्टम का कॉन्सेप्ट इस तरह से तैयार किया गया है कि पहले रडार यूनिट आने वाले खतरों पर नजर रखती है और उन्हें क्लासिफाई करती है। इसके बाद कमांड सेंटर ज्यादा ऊंचाई से आने वाले तेज खतरों के लिए क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (QRSAM) को निर्देश देता है। कम रेंज वाले और धीमी गति से होने वाले हमले के लिए एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें (VSHORADS) एक्टिवेट होती हैं। इसके साथ ही साथ ड्रोन और चीप सैचुरेटेड अटैक के लिए लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (DEW) हमला करते हैं।

डेरा सच्चा सौदा मुखी बढ़ा रहा कारोबार

राम रहीम ने ऑनलाइन सत्संग में लॉन्च की MSG ई-कॉमर्स ऐप

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम अब डेरे का बिजनेस विदेश तक फैलाने की तैयारी में है। राम रहीम ने ऑनलाइन सत्संग में रूस्त्र कंपनी की ई-कॉमर्स वेबसाइट और मोबाइल ऐप लॉन्च की है। 19 अगस्त को हुई मजलिस में राम रहीम ने कंपनी का ऑर्गेनिक सरसों का तेल, वेबसाइट और ऐप तीनों चीजें एक साथ लॉन्च किए। ई-कॉमर्स कंपनी एमएसजी स्टोर के जरिए राम रहीम देश-विदेश में व्यापार कर पाएगा। राम रहीम की यह वेबसाइट अंग्रेजी, अरबी, बंगाली, हिब्रू, हिंदी और जापानी भाषा में है। राम रहीम इसके जरिए ग्रॉसरी, कनफेक्शनरी, तेल-घी, कॉस्मेटिक, हेल्थ केयर और घरेलू सामान के हजारों प्रोडेक्ट बेचेगा।

रूस के साथ शांति वार्ता में अहम भूमिका निभाए भारत

यूक्रेनी राजदूत ने पीएम मोदी से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के रूस-यूक्रेन संघर्ष विराम को लेकर बैठक के बाद यूक्रेनी राजदूत ने पीएम मोदी से अहम अपील की है। भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्सांद्र पोलिशचुक ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यूक्रेन भारत को रूस के साथ शांति वार्ता कराने के लिए प्रमुख देश मानता है। राजदूत पोलिशचुक ने 2023 से यूक्रेन और भारत के बीच बढ़ते संवाद का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध में तटस्थ नहीं है, लेकिन शांति, कूटनीति और राजनीतिक संवाद का दृढ़ता से समर्थन करता है। यूक्रेन सितंबर में आगामी यूएनजीए सत्र में इस बातचीत को जारी रखने की उम्मीद करता है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी अल्जीरिया की राजकीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी रविवार को चार दिवसीय राजकीय यात्रा पर अल्जीरिया रवाना हुए। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उनकी यह पहली यात्रा भारत की राष्ट्रपति और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की हाल की यात्राओं के तुरंत बाद हो रही है। यह यात्रा भारत-अल्जीरिया के संबंधों को मजबूत करने के महत्व को दर्शाती है।रक्षा मंत्रालय के मुताबिक सेना प्रमुख की 25 से 28 अगस्त तक इस यात्रा का उद्देश्य भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा और सुरक्षा संबंधों को सुदृढ़ करना है, जिसमें सेना का सेना से सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर दृष्टिकोण साझा करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग की संभावना तलाश करना शामिल है। यात्रा के दौरान सेना प्रमुख अल्जीरिया के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

भारत 100 देशों को ईवी एक्सपोर्ट करेगा दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालेगा

हमारे पास तेज धारा को मोड़ने की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत अब दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंकने वाले लोग नहीं हैं। हम तेज बहती धारा को भी मोड़ने की ताकत रखते हैं। भारत अब समय की धारा को भी दिशा देने की क्षमता रखता है।

पीएम ने कहा- भारत अब एक बड़ा माइलस्टोन हासिल करने जा रहा है। देश जल्द ही 100 देशों को इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) निर्यात करेगा। भारत की प्रगति का आधार रिसर्च और इनोवेशन है।

उन्होंने कहा बाहर (विदेश) से खरीदी गई रिसर्च सिर्फ जीने भर के लिए काफी है, लेकिन भारत की बड़ी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतियां और नए प्लेटफॉर्म बनाए हैं। भारत अब सिर्फ गाड़ियां ही नहीं, बल्कि मेट्रो कोच, रेल कोच और लोकोमोटिव (रेल इंजन) भी विदेश भेज रहा है। उन्होंने यह बात ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम

अब देश के रूल से उड़ सकेंगे एयर टैक्सी-ड्रोनभारत में स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम लागू; विदेश पर निर्भरता घटेगी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की नागरिक उड्डयन प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम लागू किए हैं। अब भारत में हवाई यात्रियों की सुरक्षा यूरोप या अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित नहीं, बल्कि भारतीय परिस्थितियों, तकनीकी जरूरतों के हिसाब से तय की गई है। इस बदलाव से भारत एक नियम निर्माता राष्ट्र के रूप में भी स्थापित होगा। स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम (Airworthiness Code) के मुताबिक, अब तक हमें विमान और उसके पुर्जों के डिजाइन के लिए यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (EASA) या जॉइंट एविएशन रिक्वायरमेंट (JAR-21) से मंजूरी लेनी होती थी, लेकिन अब इंजन और पुर्जों के मानक भारत ही तय करेगा। देश में इनके निर्माण के लिए फैक्ट्रियां भी लगेंगी।

सर्टिफिकेशन के लिए 300 घंटे की फ्लाई टेस्टिंग जरूरी-किसी भी नए इंजन या प्रोपेलर को सर्टिफिकेशन से पहले कम से कम 300 घंटे की फ्लाई टेस्टिंग से गुजरना होगा।

रिजिजू बोले- मोदी ने छूट लेने से मना किया

कहा- पीएम भी नागरिक, कानून के दायरे में लाएं; गिरफ्तारी पर पद से हटाने का बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चर्चा के दौरान उस नियम से छूट लेने से इनकार कर दिया था, जिसके तहत अगर क्रू-ष्टरूया कोई मंत्री किसी गंभीर अपराध में 30 दिन से ज्यादा जेल में रहता है तो उसे पद से हटना पड़ेगा। रिजिजू ने न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में कहा- कैबिनेट में सुझाव दिया गया था कि प्रधानमंत्री को इस प्रावधान से बाहर रखा जाए, लेकिन क्रूमोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री भी देश का नागरिक है, उन्हें भी कोई विशेष सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए।

राजस्थान- कोटा-बूंदी में बाढ़, एयरफोर्स हेलिकॉप्टर तैनात; बिहार के नालंदा में पानी में समाया घर

जम्मू में IIM कैंपस में पानी भरा, कई स्टूडेंट फंसे

नई दिल्ली/ जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। राजस्थान में तेज बारिश हो रही है। कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का Mi-17 हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। जयपुर में शनिवार सुबह से हो रही बारिश 24 घंटे बाद भी जारी रही। राजधानी के कई इलाकों में बारिश के चलते घुटनों तक पानी जमा हो गया है। टू-व्हीलर आधे से ज्यादा डूब गए। कोटा में शनिवार देर रात मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई। उधर जम्मू-कश्मीर में भी तेज बारिश के चलते IIM जम्मू कैंपस

में पानी भर गया। कई स्टूडेंट अंदर फंसे हैं, स्ष्ठक्रस्न की टीम रेस्क्यू में जुटी है।

यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को देश के 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट है। विभाग ने राजस्थान में रेड, उत्तराखंड-मध्य प्रदेश समेत 6 राज्यों में ऑरेंज और यूपी-बिहार समेत 22 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

राजनाथ बोले- शुभांशु शुक्ला बजरंग बली के भक्त,स्पेस में हनुमान चालीसा पढ़ी होगी

एस्ट्रोनॉट बोले- अंतरिक्ष से भारत देखना सबसे खूबसूरत नजारों में एक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंडियन एयरफोर्स स्पेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। उन्होंने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके अन्य सहयोगियों, ग्रुप कैप्टन पी वी नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप को सम्मानित किया। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मुझे बताया गया कि आप (शुभांशु शुक्ला) भी बजरंग बली के भक्त हैं। आपने वहां (अंतरिक्ष में) कई बार हनुमान चालीसा पढ़ी होगी। हनुमान जी का एक भक्त आसमान की ऊंचाइयों को छूकर लौटा है। यह सिर्फ विज्ञान की जीत नहीं है। यह विश्वास और साहस की गूंज है। वहीं, एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने कहा, मेरे पास क्लिप है, जिसमें मैंने स्पेस से भारत को कैप्चर करने की कोशिश की थी। स्पेस से भारत वाकई बहुत खूबसूरत दिखता है। खासकर रात के समय हिंद महासागर के ऊपर साउथ से नॉर्थ की तरफ आते समय, जब भारत के ऊपर से गुजरते हैं तो वह जीवन में देखे जाने वाले सबसे खूबसूरत नजारों में से एक होता है। शुभांशु ने स्पेस का एक वीडियो दिखाते हुए बताया कि वे उस समय भारत के ऊपर से गुजर रहे थे। वीडियो में ऊपर की तरफ पृथ्वी है। नीचे तारे दिख रहे हैं। शुभांशु ने बताया कि वीडियो के अंत में ऑर्बिट से सूर्योदय भी दिख रहा है।

निक्की मर्डर केस: पुलिस एनकाउंटर में आरोपी पति के पैर में लगी गोली

भागने की कोशिश कर रहा था विपिन

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में निक्की हत्याकांड के मुख्य आरोपी उसके पति विपिन को आज पुलिस ने सिरसा चौराहे के पास मुठभेड़ में पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। साथ ही उसे गिरफ्तार कर लिया है द्य पुलिस के मुताबिक, आरोपी हिरासत से भागने का प्रयास कर रहा था। सिरसा के पास पुलिस ने गोली मारी जो उसके पैर में लगी।

इसके बाद उसको गिरफ्तार कर लिया गया है द्य बता दें कि विपिन ने अपनी पत्नी निक्की को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाकर हत्या कर दी थी इसको लेकर दो दिनों से मामला सुर्खियों में हैद्य पुलिस ने निक्की के पति विपिन के अलावा उसके जेठ और सास ससुर को भी मुख्य आरोपी बनाया गया है। विपिन ने मासूम बच्चे के सामने पत्नी निक्की की आग लगाकर हत्या की थी और फरार हो गया था।

यह है पूरा मामला-उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के कासना कोतवाली इलाके के सिरसा गांव में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की क्रूरता से हत्या कर दी गई। ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता को बर्बरता से पीटा और फिर उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसने पर महिला की बहन उसे पड़ोसियों की मदद से अस्पताल ले गई, दो अस्पताल बदले, लेकिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। दिल दहलाने वाली घटना के बाद मृतका महिला की बहन और परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रूपबास गांव के रहने वाले भिकारी सिंह ने बताया कि उनकी पुत्री कंचन (29) और निक्की (27) की शादी दिसंबर 2016 में सिरसा गांव के रहने वाले रोहित और उसके भाई विपिन से हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में स्कॉर्पियो गाड़ी और सभी सामान दिया था लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल के लोग 35 लाख रुपये की मांग करने लगे।

गुजरात में बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

कोरी क्रीक क्षेत्र में नाव के साथ पकड़े 15 पाकिस्तानी मछुआरे

कच्छ, एजेंसी। गुजरात में बीएसएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। बीएसएफ ने शनिवार को बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) बीबीके के पास कोरी क्रीक क्षेत्र में इंजन-फिट देशी नाव के साथ 15 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा है। इससे पहले बांग्लादेश पुलिस के एक अधिकारी को पकड़ा गया था। अफसरों के मुताबिक यह ऑपरेशन 68 बटालियन बीएसएफ, 176 बटालियन बीएसएफ और वाटर विंग ने स्थानीय गश्ती नौकाओं के सहयोग से किया था। टीम ने आसपास के क्रीक क्षेत्रों को कवर किया और तेज गश्ती नौकाओं द्वारा समर्थित थी। इससे पहले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तार किया, जब वह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। उसे शाम 6 बजे से 7 बजे के बीच हकीमपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास पकड़ा गया।

अधिकारियों ने बताया कि नियमित गश्त के दौरान बीएसएफ जवानों ने अधिकारी को रोका। उसकी तलाशी लेने पर बीएसएफ को कुछ पहचान पत्र मिले, जिससे पुष्टि हुई कि घुसपैठिया एक वरिष्ठ बांग्लादेशी पुलिस अधिकारी था। उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया और बाद में आगे की पूछताछ के

लिए पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि भारतीय क्षेत्र में उसके प्रवेश के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह स्वतंत्र रूप से काम कर रहा था या किसी नेटवर्क की ओर से।

चार हजार किमी लंबी है भारत-बांग्लादेश सीमा :4,096 किलोमीटर से ज्यादा लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा दुनिया की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है और यहां अक्सर घुसपैठ, तस्करी और अवैध सीमा पार करने के मामले सामने आते रहे हैं। इस सीमा का लगभग 2,217 किलोमीटर हिस्सा पश्चिम बंगाल में है। जो इसे सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक संवेदनशील क्षेत्र बनाता है।

उत्तर 24 परगना अपनी घनी आबादी, नदी-तटीय इलाके और शहरी केंद्रों से निकटता के कारण विशेष रूप से संवेदनशील बना हुआ है।अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र का अक्सर तस्करों, दलालों और कभी-कभी अवैध रूप से सीमा पार करने की कोशिश करने वाले संगठित समूहों द्वारा शोषण किया जाता रहा है।

एस में 146.5 किलो की महिला की बेरियाट्रिक सर्जरी, लंबी परेशानी के बाद मिली नई जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स के डॉक्टरों ने बहुत अधिक मोटापे, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) बीमारी से जूझने वाली 146.5 किलो की 44 वर्षीय महिला को नई जिंदगी दी है। बीमारी के चलते महिला के फेफड़े, लिवर और हार्ट की कार्य क्षमता प्रभावित थी। इसके चलते महिला सीपैप (वेंटिलेटर) की मदद से ऑक्सीजन ले रही थीं। तीन महीने से बेड से पर थीं। एम्स में महिला की वजन घटाने वाली स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी (बेरियाट्रिक) सर्जरी की गई।

एम्स सर्जरी विभाग के डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल ने बताया कि महिला दिल्ली के संगम विहार इलाके की रहने वाली हैं। पिछले 12 वर्षों से उनका वजन लगातार बढ़ रहा था। आहार और व्यायाम में बदलाव के बावजूद वह तीन वर्षों से वजन कम नहीं कर पा रही थीं। बीते तीन महीने से उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। वह ठीक से सो नहीं पा रही थी। मरीज को चार महीने पहले सफदरजंग अस्पताल के श्वसन विभाग में भी भर्ती कराया गया था। ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ महिला को डिस्चार्ज किया गया। महिला को गंभीर स्लीप एपनिया होने के बारे में पता चला। फिर उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इस बीच महिला के फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया। महिला को सीपैप पर डाल दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि परिसर को किसी भी अप्रिय घटना से सुरक्षित रखने के लिए केवल उन्हीं लोगों को रोका जा रहा है, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध या खतरनाक लग रही हों। मामले की जांच के लिए लगातार पुलिस राजकोट पुलिस के संपर्क में है।तहसीन 15 साल पुराना दोस्त है

शुक्रवार को दिल्ली पुलिस की एक टीम राजकोट पहुंची थी। वहां पुलिस ने राजेश दोस्त तहसीन, जिग्नेश और चिराग समेत के पांच लोगों से पूछताछ की। पुलिस आरोपी तहसीन उर्फ बापू को लेकर दिल्ली आ गई। तहसीन राजेश का 15 साल पुराना दोस्त है। तहसीन ने ही जी-पे से राजेश को दिल्ली में 2000 रुपये भेजे थे। इसके अलावा वह पहले भी उसे पैसे भेजता रहा है।

आईसीयू में एक महीने चला उपचार डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल ने बताया कि जुलाई मध्य में महिला को जांच, बैरिएट्रिक सर्जरी के लिए एम्स में रेफर किया गया। हालात बिगड़ने पर महिला को आईसीयूमें भर्ती किया गया। डॉक्टर ने बताया महिला के पेट के 80त्न हिस्से को हटा दिया गया। पेट में एक पतली ट्यूब के आकार की थैली रह जाती है। भोजन करने की क्षमता कम होने से वजन घटने लगता है।

चुनौतीपूर्ण थी सर्जरी : उन्होंने कहा कि महिला की सर्जरी करना काफी चुनौतीपूर्ण था। महिला के पेट की मोटाई 15 सेमी थी। दूरबीन वाले उपकरण चल नहीं पा रहे थे। महिला के कई अंगों के काम न करने की वजह से उन्हें एनेस्थीसिया देना भी चुनौती था। एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. सुष्मिता और उनकी टीम ने बखूबी इस काम को संभाला।

देश में निवेश के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने निवेश के नाम पर जालसाजी करने वाले अंतरराज्यीय घोषित धोखेबाज खजूरी खास, दिल्ली निवासी ज्ञानेश्वर कौशिक उर्फ ज्ञान को गिरफ्तार किया है। उसने निवेश योजनाओं के नाम पर महिला के साथ ठगी की थी। वह दिल्ली में तीन मामलों सहित देश भर में धोखाधड़ी के लगभग 20 मामलों में शामिल रहा है। आरोपी 10 वर्षों से अधिक समय से गिरफ्तारी से बच रहा था।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया, आरोपी ज्ञानेश्वर वर्तमान में गोवा में फ्लैट में रह रहा था। वह एक सीरियल धोखेबाज है और द्वारका (उत्तर), दिल्ली थाने में दर्ज एक धोखाधड़ी के मामले में 10 साल से ज्यादा समय से फरार था। अदालत ने उसे भगोड़ा (पीओ) घोषित किया हुआ था। उन्होंने बताया कि शाखा की टीम को ज्ञानेश्वर कौशिक उर्फ ज्ञान के गोवा में छिपे होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने यहां पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए वहां अनिल जायसवाल नाम बदलकर रह रहा था।

तेज बुखार... नाक से पानी: चिड़ियाघर में बाघिन अदिति के तीन शावक थे बीमार, 25 घंटे बाद दो ने तोड़ दम

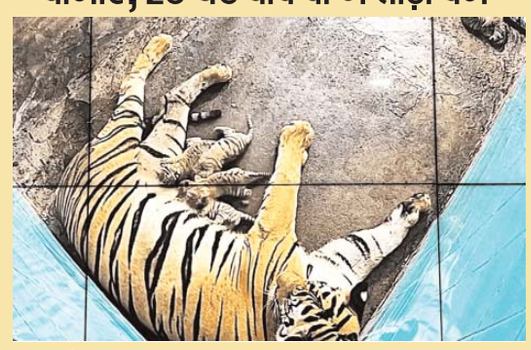

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पिछले तीन दिनों में रायल बंगाल बाघिन के छह में से दो और शावकों की मौत हो गई है। यह शावक चार अगस्त को सात वर्षीय बाघिन अदिति ने जन्म दिए थे। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, बाघिन अदिति ने जिन्हें दूध पिलाया था, वह लंबे समय से दूध नहीं पी रहे थे, जिसके चलते 20 अगस्त की रात से 21 अगस्त की सुबह तक उन्हें चरणबद्ध तरीके से दूध छुड़ाया गया और हाथों से पालन-पोषण और उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। इनमें से दो शावकों की तड़के उपचार के दौरान मौत हो गई और एक की हालत नाजुक है, लेकिन उसका गहन उपचार किया जा रहा है। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि शावकों के शवों को पोस्टमार्टम और विस्तृत जांच के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) भेज दिया गया है। शावक की अलग से देखभाल की जा रही है और वह स्वस्थ है और ठीक से दूध पी रहा है। प्रबंधन शावक की जान बचाने के लिए आईवीआरआई और अन्य विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती करते वक्त तीनों बताई गई शावकों की हालत काफी नाजुक थी। प्राथमिक जांच में उन्हें इंफेक्शन से पीड़ित पाया गया था। तीनों शावकों में तेज बुखार और नाक से पानी बहने की शिकायत बनी हुई थी। इन शावकों का विभिन्न टेस्ट करके इलाज चल रहा था। तीनों शावकों ने अपनी मां का दूध पीना भी 24 घंटे पहले बंद कर दिया था। अस्पताल में बिल्ली का कृत्रिम दूध पिलाने की कोशिश भी कामयाब नहीं हो रही थी। अस्पताल में भर्ती होने के करीब 25 घंटे बाद 2 शावकों की मौत हो गई है।

बारिश का यलो अलर्ट, छाए रहें बादल, अभी खुशनुमा रहेगा राजधानी का मौसम

दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने रविवार के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। कुछ स्थानों पर तेज बारिश के आसार हैं। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। शनिवार के लिए मौसम विभाग ने पहले ही तेज बारिश की चेतावनी जारी की थी। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 35.1, जबकि न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नुसरत हसन, वीरेंद्र चहल दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा से सीनियर हैं। इस कारण दोनों आईपीएस अधिकारियों को दिल्ली पुलिस से भेजा गया है।

अभी खुशनुमा रहेगा मौसमः मौसम विभाग के अनुसार, 25 अगस्त को बादल छाए रह सकते हैं जिसके बाद मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31 और 22 डिग्री रह सकता है। 26 और 27 अगस्त को भी आंधी तूफान और बारिश की संभावना है। इस दौरान अधिकतम 32-33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री के आसपास रह सकता है। आईएमडी ने 28 और 29 अगस्त को भी गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। इन दोनों दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34 और 23 डिग्री दर्ज किया जा सकता है।

संसद भवन के बाहर से लगातार दूसरे दिन संदिग्ध युवक को दबोचा, सीआईएसएफ ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने संसद भवन परिसर के पास से लगातार दूसरे दिन एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। वहीं एक दिन पहले संसद की दीवार पर चढ़ने के आरोपी रामकुमार बिंद से शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वह संसद परिसर को रेलवे स्टेशन समझकर अंदर कूद गया था। सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संसद परिसर की सुरक्षा के लिए एक एसओपी लागू की है, जिसके तहत किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जांच के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

शुक्रवार को संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले रामकुमार बिंद (20) को भूलने की बीमारी है और वह अवसाद से भी पीड़ित है। दिल्ली पुलिस समेत देश की सुरक्षा एजेंसियां उससे दूसरे दिन लगातार पूछताछ करने में लगी हुई थी। इस घटना के दूसरे दिन शनिवार को सीआईएसएफ के जवानों ने 20 वर्षीय युवक को सुबह करीब साढ़े नौ बजे रेल भवन और संसद भवन के बीच रायसीना रोड से पकड़ा। युवक के पास से कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई।

संसद की सुरक्षा में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक बेंगलुरु से दिल्ली आया था और दुबई जाने वाला था। उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद युवक को मामले की जांच के लिए कर्तव्य पथ थाने को सौंप दिया गया।

सामान चोरी हो गया था : संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले आरोपी रामकुमार बिंद को भूलने की बीमारी है। सूरत से दिल्ली आते हुए उसका सामान चोरी हो गया था। उसे पता नहीं है कि उसका सामान कहां से चोरी हुआ है। उसके खिलाफ शनिवार शाम तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने बताया कि आरोपी के परिजनों को दिल्ली बुलाया गया है। बड़ी संख्या में लोग आते हैं..

.संसद भवन परिसर के केवल बाहरी हिस्से में तस्वीरें लेने या इस भव्य इमारत को निहारने के लिए हर दिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

लूटपाट कर भाग रहे बदमाश को पुलिस ने दबोचा, गला रेतने की धमकी देकर युवक से पैसे छीने

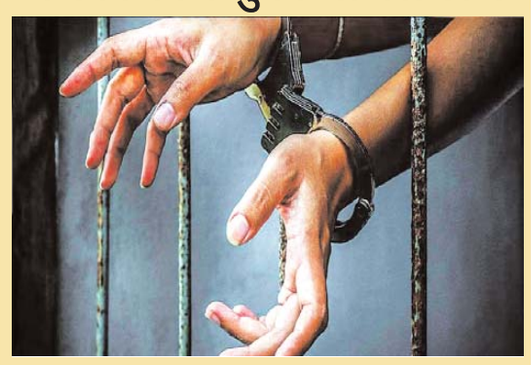

नई दिल्ली , एजेंसी। सुल्तानपुरी थाना पुलिस ने लूटपाट कर भाग रहे करण नाम के शातिर अपराधी को रंगेहाथ पकड़ा। सुल्तानपुरी थाने का घोषित बदमाश गला रेतने की धमकी देकर एक युवक से लूटपाट कर भाग रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से चाकू, ब्लेड और रुपये बरामद किए हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 21 अगस्त को सुल्तानपुरी थाने के पुलिस कर्मी जगदंबा मार्केट में गश्त कर रहे थे। अचानक चोर-चोर की आवाज सुनने पर पुलिस कर्मी पीड़ित के पास पहुंचे तो पता चला कि बदमाश उसे धमकी देकर उससे 25 सौ रुपये लेकर भागा है। पुलिस ने भाग रहे बदमाश का पीछा कर उसे दबोच लिया। बदमाश सुल्तानपुरी थाने का घोषित बदमाश करण है और उसपर 25 से अधिक केस दर्ज हैं।

उत्तर कोरिया लगातार बढ़ा रहा अपनी ताकत, नई एंटी एयर मिसाइलें तैयार, किम जोंग उन ने किया निरीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया लगातार अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ा रहा है। देश ने अब दो नई एंटी एयर मिसाइलें तैयार की हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने इन मिसाइलों का निरीक्षण देखा। माना जा रहा है कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने अपनी क्षमता को प्रदर्शन किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि शनिवार को हुए परीक्षण से यह साबित हो गया कि मिसाइलें ड्रोन और क्रूज मिसाइलों जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने में प्रभावी हैं। किम ने अगले साल होने वाले एक प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले रक्षा वैज्ञानिकों को कई महत्वपूर्ण कार्य सौंपे हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि किन मिसाइलों का परीक्षण किया और यह कहां हुआ यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यांग जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर हैं। इस शिखर सम्मेलन में उन्होंने उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं सहित साझाका के साथ द्विपक्षीय सहयोग और त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया है। वहीं उत्तर कोरिया की सरकार ने अपने परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रमों को बंद करने के उद्देश्य से लंबे समय से रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए सियोल और वाशिंगटन के आह्वान को बार-बार खारिज कर दिया है, क्योंकि वह संयुक्त राज्य अमेरिका का सामना करने वाले देशों के साथ संबंधों का विस्तार करने के उद्देश्य से विदेश नीति के हिस्से के रूप में रूस को प्राथमिकता देता है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से किम ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की युद्ध-लड़ाई में सहायता के लिए हजारों सैनिक और तोपें तथा बैलिस्टिक मिसाइलों सहित हथियारों की बड़ी खेपें भेजी हैं। इससे यह चिंता बढ़ गई है कि रूस किम की परमाणु-सशस्त्र सेना को मजबूत करने वाली तकनीक मुहैया करा सकता है। दक्षिण कोरिया की पिछली रूढ़िवादी सरकार ने नवंबर में कहा था कि रूस ने उत्तर कोरिया की करण दिए हैं।

एपस्टीन मामले में प्रिंसेस डायना की एंट्री, मैक्सवेल का दावा- दोनों की लंदन में मुलाकात कराई गई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा शुक्रवार जेफ्री एपस्टीन मामले में कुछ टेप जारी किए गए। इन टेप में जेफ्री एपस्टीन की सहयोगी रही गिस्लेन मैक्सवेल के बयान हैं। एक बयान में मैक्सवेल ने संकेत दिए हैं कि ब्रिटेन की दिवंगत राजकुमारी डायना के साथ भी एपस्टीन की मुलाकात हुई थी। मैक्सवेल का दावा है कि दोनों की मुलाकात तय की गई थी।

मैक्सवेल ने किया चौंकाने वाला खुलासा : एपस्टीन पर यौन तस्करी और यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। मैक्सवेल, एपस्टीन की सहयोगी रही और यौन तस्करी में साथ देने के अपराध में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई है। फिलहाल वह जेल में बंद हैं और वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से क्षमादान की मांग कर रही है। पिछले महीने डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने मैक्सवेल से पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान मैक्सवेल ने बताया कि एपस्टीन से मिलने से पहले, वह लंदन में रहती थी और वहां कुछ ऊंचे ओहदे वाले लोगों से उसकी जान-पहचान थी। इनमें राजकुमारी डायना की सबसे अच्छी दोस्त रोजा मॉन्कटन भी शामिल थी। मैक्सवेल ने बताया कि रोजा के पति डोमिनिक लॉसन एक प्रसिद्ध पत्रकार थे।

लंदन में राजकुमारी डायना और एपस्टीन की मुलाकात आयोजित कराई गई थी : मैक्सवेल ने बताया कि रोजा ने एक बार लंदन में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें जेफ्री एपस्टीन भी शामिल हुआ था। मैक्सवेल ने बताया, मुझे नहीं पता कि वह डायना के साथ बैठा था या डायना से मिला था। वह उनसे पहले भी मिल चुका था। मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि दोनों की मुलाकात रोजा ने ही आयोजित की थी। मैक्सवेल ने कहा मैं डायना की बुराई नहीं करना चाहती। इसके बाद मैक्सवेल कुछ बोलते-बोलते रुक गई और इस बारे में आगे बात नहीं की। हालांकि मैक्सवेल का कहना है कि साल 2000 के आसपास एपस्टीन और डायना की मुलाकात हुई होगी, लेकिन डायना की 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। मैक्सवेल ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने एपस्टीन को शाही परिवार से मिलवाया था। लेखक और पत्रकार माइकल वोल्फ ने भी अपनी किताब में यह भी लिखा है कि ट्रंप और एपस्टीन के बीच इस बात को लेकर होड़ मची थी।

खालसा कॉलेज में जॉब फेयर 2025 का शुभारंभ, दिल्ली सरकार का जोर पॉल्यूशन-फ्री और टेक इंडस्ट्री पर

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में शनिवार को फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन जॉब फेयर 2025 के दिल्ली संस्करण का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने इस पहल को दिल्ली के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेलों से युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। दिल्ली में रोजगार की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की गलत नीतियों की वजह से दस वर्षों में हालत यह हो गई है कि नौकरी के लिए दिल्ली के युवाओं को गुरुग्राम और नोएडा जाना पड़ रहा है। चाहते हैं कि दिल्ली का युवा अपने ही शहर में काम करें। उन्होंने कहा कि सरकार विशेष रूप से पॉल्यूशन फ्री इंडस्ट्रीज, सर्विस इंडस्ट्री, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स, मॉडर्न टेक्नोलॉजी आधारित उद्योग और पर्यटन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन की प्रतिनिधि नीता व पूनम शर्मा भी उपस्थित रहीं।

पीएम ओली की भारत और चीन यात्रा पर नजरें, सीमा विवाद सुलझाने पर रहेगा जोरं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आगामी भारत यात्रा पर लिपुलेक विवाद का सीधा असर पड़ने की संभावना कम दिख रही है। उच्चस्तरीय सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली इस दौरे को सीमा विवाद सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास के अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली चीन और भारत की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। नेपाल जिस लिपुलेक क्षेत्र को अपना अभिन्न अंग मानता है, वहां से भारत और चीन ने व्यापार शुरू करने का समझौता किया, जिसके बाद विवाद गहराया। लगभग 13 महीने के अपने तीसरे कार्यकाल के बाद प्रधानमंत्री ओली को भारत जाने का निमंत्रण मिला है। हाल ही में नेपाल आए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ओली को भारत यात्रा का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। ओली के सचिवालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने भी इस निमंत्रण के लिए आभार प्रकट किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओली 16 सितंबर को दो दिवसीय भारत यात्रा पर जाएंगे। हालांकि, भारत यात्रा से पहले प्रधानमंत्री ओली चीन जाएंगे। वह 30अगस्त को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने बीजिंग जाने वाले हैं। कुछ हलकों का मानना है कि सीमा विवाद की स्थिति में यात्रा करना उचित नहीं होगा, जबकि अन्य का विचार है कि विवाद सुलझाने के लिए इसी यात्रा को अवसर के रूप में लेना चाहिए। प्रधानमंत्री का सचिवालय इस विषय पर अब तक चुप है। सूत्रों के अनुसार, ओली ने प्रधानमंत्री मोदी को पहले काठमांडू आने का निमंत्रण दिया था, जिसे भारत ने स्वीकार नहीं किया। लेकिन, यदि ओली की भारत यात्रा सफल रहती है तो भविष्य में मोदी की नेपाल यात्रा की संभावना बढ़ सकती है।

हम आपसी संवाद से चाहते हैं हर समस्या का समाधानः पोखरेल : प्रेस चौतारी नेपाल, महोत्तरी द्वारा 5 अगस्त को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में नेकपा (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि भले ही चीन और भारत ने हालिया समझौते में नेपाल को शामिल नहीं किया, फिर भी ओली की सद्भावना यात्रा प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा, हम हर समस्या का समाधान आपसी संवाद और चर्चा से चाहते हैं, और यह अवसर ऐसे दौरों से ही मिलता है। इसलिए नेपाल की ओर से यात्रा रद्द करने का सवाल ही नहीं उठता। पोखरेल ने यह भी कहा कि नेपाल ने पहले ही चीन और भारत दोनों को कूटनीतिक नोट भेजकर लिपुलेक प्रकरण पर असहमति जता दी है,।

आईपीएस अधिकारी एसबीके सिंह बने तिहाड़ जेल के डीजी

दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के बाद दिल्ली में बड़े अफसरों की अदला-बदली की गई है। होमगार्ड के डीजी एसबीके सिंह को तिहाड़ जेल का महानिदेशक बनाया गया है। सतीश गोलचा को दिल्ली पुलिस कमिश्नर बनाए जाने के बाद से तिहाड़ जेल के डीजी का पद रिक्त था। नुसरत हसन को होमगार्ड का डीजी लगाया है। एसबीके सिंह को तिहाड़ जेल का डीजी बनाए जाने का पत्र जारी कर दिया गया है। भारतीय पुलिस सेवा के 1988 बैच के वरिष्ठ अधिकारी एसबीके सिंह ने अपने 30 वर्षों के कॅरिअर में दिल्ली पुलिस, रॉ, अरुणाचल प्रदेश, पुदुचेरी जैसी कई अहम जगहों पर अपनी सेवा दी है। वह पुलिस कमिश्नर के प्रभार के साथ-साथ डीजी, होम गार्ड्स (दिल्ली पुलिस) का जिम्मा भी संभाल रहे थे। दिल्ली पुलिस होमगार्ड्स डीजी बनाई गई नुसरत हसन 1991 बैच की आईपीएस हैं। नुसरत हसन फिलहाल दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी के पद पर थीं।

हैंडपंप विवाद में महिलाओं पर लाठी-डंडों से हमला

11 लोगों ने की वारदात, 10 लोग घायल; आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन में हैंडपंप के चबूतरे को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान 10 लोग घायल हो गए। रविवार दोपहर 1 बजे की घटना है।

दरअसल, सोधिया परिवार की महिलाएं घर पर काम कर रही थीं। इसी दौरान मोहल्ले के कुछ लोग हैंडपंप का चबूतरा तोड़ने लगे। जब सीला सोधिया ने रोहित केवट को चबूतरा तोड़ने से मना किया तो वह नाराज हो गया।

आरोपियों ने महिलाओं पर लाठी-डंडों से किया हमला: रोहित और उसके साथी घर में घुस आए। अनुराग, दिलीप, अंबिका, आदर्श, मुकेश, मोहित, अनिल, अरुण, भागीरथी और राजेश केवट समेत 11 लोगों ने महिलाओं पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया।

हमले में सोनम, प्रिया, रीना, काजल, सीला, बुटनी, कुसुम, कुश, नागेंद और लकी सोधिया घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय घर के पुरुष सदस्य मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे।

पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज: थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधांशु तिवारी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विकासखंड रामपुर नैकिन में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद सभागार रामपुर नैकिन में प्रस्फुटन समितियों के सक्रियकरण व माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जन अभियान परिषद शासी निकाय के सदस्य कृष्णाकांत दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रवीण पाठक सम्भागीय समन्वयक जन अभियान परिषद सम्भाग रीवा द्वारा की गई। कार्यशाला में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सीईओ राजीव तिवारी व जिला समन्वयक जन अभियान परिषद शिवदत्त उरमलिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को जन अभियान परिषद की मूल अवधारणा के साथ-साथ माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित मास्टर ट्रेनर रेनू पटेल द्वारा सभी प्रतिभागियों को मिट्टी के पार्थिव गणेश जी की प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का सम्पूर्ण संयोजन अनिल पाठक विकासखंड समन्वयक रामपुर नैकिन द्वारा किया गया। कार्यशाला में विकासखंड में कार्यरत प्रस्फुटन समिति व नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, मेन्टर्स, नवांकुर सखी प्रेरक, सहायक व सीएमसीएलडीपी के छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

जेल में बंद बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

दहेज हत्या मामले में आरोपी थे, 14 अगस्त को हुई थी गिरफ्तारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के जिला जेल में बंद 55 वर्षीय विचाराधीन बंदी बाबूलाल वैश्य की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बाबूलाल को 14 अगस्त को दहेज हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

हृदय रोग से पीड़ित थे बंदी बाबूलाल: जिला जेल अधीक्षक लक्ष्मीकांत त्रिपाठी के अनुसार, बाबूलाल को उनकी पत्नी और बेटे के साथ जेल में रखा गया था। बाबूलाल को पहले से हृदय रोग की समस्या थी। शनिवार की देर शाम उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। जेल प्रशासन ने उन्हें तुरंत ट्रॉमा सेंटर भेजा। वहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक बाबूलाल माडा थाना क्षेत्र के बहेरी कला गांव के निवासी थे। उनके एक बेटा और एक बेटी है। बेटी की शादी रीवा में हुई है। बेटा अपनी पत्नी की दहेज हत्या के आरोप में अपने माता-पिता के साथ जेल में बंद है। मौत के सटीक कारण का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा।

चितरंगी में किसानों ने बिजली ऑफिस पर धरना दिया

लो वोल्टेज और कटौती से फसलें हो रही खराब, 2 दर्जन गांवों के लोग परेशान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी में किसानों ने बिजली ऑफिस के सामने धरना दिया। किसानों का कहना है कि क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। जब बिजली आती है, तब भी वोल्टेज इतना कम रहता है कि मोटर पंप चल नहीं पाते।

लो वोल्टेज से नहीं चलत रहे मोटर पंप: दो दर्जन से अधिक गांवों के किसान धरने में शामिल हुए। भारतीय मजदूर संघ के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बैंस ने बताया कि चितरंगी बाजार, ओढनी, बड़वानी, मोहरिया और शिवपुरवा सहित कई गांवों में किसान लो वोल्टेज से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत की गई, लेकिन समाधान नहीं मिला।

दो महीने में नया फीडर शुरू कर दूर होगी समस्या: बिजली विभाग के जेई विवेक सिंह ने समस्या का कारण बताया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 33च्य1 के एक फीडर से पांच सब स्टेशन चल रहे हैं। बिछी बगदरा इलाके से 33च्य1 का एक और फीडर लाया जा रहा है। वर्क आर्डर जारी हो चुका है और एक से दो महीने में समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

यह क्षेत्र पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री राधा सिंह का गृह क्षेत्र है। किसानों को चिंता है कि अगर एक-दो महीने तक यह समस्या बनी रही तो वे केवल बारिश के भरोसे रहेंगे और फसलें खराब हो जाएंगी।

जिले में 1000 रुपए में खाद खरीद रहे किसान, निजी दुकानदार कर रहे कालाबाजारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में किसानों को खाद के लिए चार गुना अधिक कीमत चुकाना पड़ रहा है। सोसाइटी में खाद की अनुपलब्धता के कारण किसान निजी दुकानों से खाद खरीदने को मजबूर हैं। 250 रुपए में मिलने वाली सरकारी खाद किसानों को 1000 रुपए में खरीदना पड़ रहा है।

मजबूर होकर किसान खरीद रहे महंगा खाद: ग्राम कपूरी स्थित पंकज ट्रेडर्स के मालिक रामदीन गुप्ता पर खाद को ऊंचे दाम पर बेचने का आरोप है। ग्राम खारा के किसान लव कुश जायसवाल ने बताया कि फसल को बचाने के लिए उन्हें मजबूरी में अधिक दाम पर खाद खरीदनी पड़ी।

प्रशासन नहीं कर रही कार्रवाई: किसान राजरूप कुशवाहा ने सवाल उठाया है कि जब सोसाइटी में खाद नहीं है तो निजी दुकानों पर कैसे उपलब्ध है। किसानों का कहना है कि शिकायत के बावजूद प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

सहायक संचालक कृषि डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि उनके पास अभी तक ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हाथियों का 2 दिन में 2 लोगों पर हमला, रोजाना 20 किमी तक जा रहा, लोगों में दहशत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक नर हाथी ने दहशत फैला रखी है। यह दो दांत वाला हाथी पिछले दो दिनों में एक महिला और एक पुरुष पर हमला कर चुका है। दोनों घायलों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है। हाथी वर्तमान में राजेंद्र ग्राम के पटना क्षेत्र में विचरण कर रहा है। यह 23 अगस्त को अनूपपुर वन परिक्षेत्र के दुधमनिया बीट से निकला था। दिन में जंगल में विश्राम करने के बाद, शाम को बरटोला और गौरेला होते हुए ठेही गांव की आरदा तक पहुंचा।

वन विभाग के अनुसार, अकेला होने के कारण यह हाथी आक्रामक व्यवहार प्रदर्शित कर रहा है। हाथी रात के समय लगभग 20 किलोमीटर का क्षेत्र तय करता है। वन विभाग की गश्ती टीम लगातार हाथी की गतिविधियों पर नजर रख रही है। विभाग ने ग्रामीणों को हाथी के पास न जाने की चेतावनी दी है। उन्हें हाथी के साथ छेड़छाड़ से बचने और रात के समय विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। प्रभावित और संभावित क्षेत्रों के सभी ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है।

घर में घुसा किंग कोबरा, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा; बोले- यह इकोसिस्टम का अहम हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम मडरिया में शनिवार देर रात एक किंग कोबरा अचानक ग्रामीण राजा बाबू के घर में घुस आया। घटना की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही वनपाल पंकज मिश्रा के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया।

दुनिया के सबसे विषैले सांपों में से एक माना जाता: स्थानीय भाषा में इसे 'नागा नागा स्नैक' कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़े और विषैले सांपों में से एक माना जाता है। इसकी लंबाई प्राय: 12 से 18 फीट तक हो सकती है। यह अन्य सांपों सहित चूहों का शिकार करता है। इसी वजह से यह अक्सर खेतों और घरों के आसपास दिखाई देता है।

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को दी नसीहत: रेस्क्यू टीम ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों को समझाया कि इस सांप को मारना नहीं चाहिए, क्योंकि यह इकोसिस्टम का अहम हिस्सा है। यह जहरीले सांपों और चूहों की संख्या पर नियंत्रण करके पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

जंगल में छोड़ा गया किंग कोबरा: रविवार सुबह करीब 9 बजे पकड़े गए किंग कोबरा को सीधी जिले के गहरे जंगलों में सुरक्षित छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने सांप को सुरक्षित निकालने पर वन विभाग की टीम का आभार जताया।

कल्याण ज्वैलर्स ने रीवा में भव्य शोरूम के शुभारंभ के साथ मध्य प्रदेश में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत के सबसे भरोसेमंद और अग्रणी ज्वैलरी ब्रांड्स में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने आज रीवा के बारा, हुजूर नगर में अपने नए शो-रूम की शुरुआत की। बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर ने इस शो-रूम का उद्घाटन किया। इस नए शोरूम के साथ ब्रांड का उद्देश्य क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करना है। इस शो-रूम में कल्याण ज्वैलर्स के शानदार डिज़ाइन उपलब्ध होंगे, जिनमें लोकप्रिय हाउस ब्रांड्स जैसे मुहूर्त (शादी के आभूषणों की श्रृंखला), मुद्रा (हस्तनिर्मित प्राचीन आभूषण) और निमाह (टेम्पल ज्वैलरी) और कई अन्य शामिल हैं।

लॉन्च इवेंट में कल्याण ज्वैलर्स के एक्सक्लूसिव लाइफस्टाइल ज्वैलरी ब्रांड कैंडियर को भी लांच किया गया, जो कंपनी की पेशकशों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने ट्रेंडी ज्वैलरी और समकालीन डिजाइनों के लिए मशहूर कैंडियर हल्के वजन के ज्वैलरी कलेक्शन पेश करता है जो आज की जेन जेड, कामकाजी महिलाओं और स्टाइल के दीवाने पुरुषों की पसंद को पूरा करते हैं। 10,000/- रुपये से शुरू होने वाली कीमतों के साथ कैंडियर के आभूषण आदर्श उपहार हैं। डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड के रूप में अपनी शुरुआत से लेकर ओमनी-चैनल रिटेलर के रूप में अपने विकास तक, कैंडियर ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा को एक फिजिकल स्टोर के स्पर्श और अनुभव पहलू के साथ जोड़ने को प्राथमिकता देता है।

लक्ज़री माहौल और कल्याण ज्वैलर्स की विभिन्न सिग्नेचर लाइनों के व्यापक कलेक्शन के साथ यह नया शो-रूम रीवा के ग्राहकों को बेहतरीन शॉपिंग अनुभव देने के लिए तैयार है।

उपस्थित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए, बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर ने कहा, कल्याण ज्वैलर्स के ब्रांड न्यू शोरूम के उद्घाटन के लिए उपस्थित होना मेरे लिए वाकई बड़े गर्व की बात है। कल्याण ज्वैलर्स का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह ब्रांड विश्वास, पारदर्शिता और ग्राहकों को केंद्र में रखने जैसे मूल्यों में गहराई से विश्वास करता है। मुझे यकीन है कि हमारे ग्राहक न केवल उत्कृष्ट सेवा बल्कि हमारे विस्तृत ज्वैलरी कलेक्शन को भी बेहद पसंद करेंगे।

नए शोरूम पर टिप्पणी करते हुए कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, रीवा में कल्याण ज्वैलर्स और लाइफस्टाइल ब्रांड कैंडियर के ब्रांड न्यू शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य एक ऐसा बेजोड़ इकोसिस्टम बनाना है जो हमारे ग्राहकों की अनूठी आवश्यकताओं को पूरा करे और उनके शॉपिंग अनुभव को और बेहतर बनाए। हम लगातार विकसित होने के लिए प्रतिबद्ध हैं और विश्व स्तरीय माहौल प्रदान करते हुए हम कंपनी के विश्वास और पारदर्शिता के मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ खरीदारी की पेशकश जारी रखेंगे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। श्री शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, पाँच किलो वाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

शांति समिति की बैठक 25 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि गत वर्षो की भांति धार्मिक त्यौहार गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को, मिलाद-उन-नवी 5 सितम्बर को, दुर्गा मूर्ति स्थापना 22 सितम्बर को, दशहरा (विजयदशमी) 02 अक्टूबर को एवं दीपावली 20 अक्टूबर को शांति पूर्ण ढंग से मनाये जाने के संबंध में 25 अगस्त को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों को उक्त बैठक में नियत दिनांक, समय व स्थान पर उपस्थित होने हेतु सूचित किया है।

श्रीयुत जन्म जयंती शताब्दी समारोह में उमड़ेगा जनसैलाब : रामकीर्ति शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रीवा की एक आवश्यक बैठक ग्राम पंचायत कोठी स्थित फूलमती देवी मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि श्रीयुत जन्म जयंती शताब्दी समारोह की आयोजिका अरुणा तिवारी रहीं, जबकि अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने की। अध्यक्षता कर रहे रामकीर्ति शर्मा ने कहा कि चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस श्रीयुत जन्म जयंती शताब्दी समारोह में उमड़ेगा जनसैलाब। लक्ष्मणपुर, कोठी, लोही, खौर, भटलो, जोरी, सिलपरा, बिछिया, महाजन टोला, चिरहुला, धोबिया टंकी, बाणसागर सहित ब्लॉक के वार्डों व पंचायतों से हजारों लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मध्यप्रदेश पंडित श्री निवास तिवारी विंध्य क्षेत्र के नायक थे, गरीब, असहाय और अन्याय से पीड़ित लोगों की मुखर आवाज थे। आज भी दादा लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अरुणा तिवारी ने कहा कि इस आयोजन में जनता-जनार्दन की जनसमस्याओं को मुखरता के साथ रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान खाद के लिए रात-रात भर लंबी कतारों में खड़े रहते हैं, फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। आवारा पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। भाजपा सरकार में अवैध नशे का कारोबार बेखौफ चल रहा है और बेरोजगार युवाओं की आवाज उठाने पर लाठीचार्ज किया जा रहा है।

जिले में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इन सभी मुद्दों को श्रीयुत जन्म जयंती शताब्दी समारोह में शामिल किया जाएगा। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविन्ददास तिवारी, चंद्रमणि शुक्ला, सत्यनारायण तिवारी और रमाकांत मिश्रा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर अध्यक्ष संजय पटेल ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रदीप नारायण मुन्ना सिंह सिलपरा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे - ब्रजबासी प्रसाद मिश्रा, मंडलम अध्यक्ष अखिलेश तिवारी, राकेश पटेल, राजाराम गौतम, हरिहर बाजपेई, अखिलेश तिवारी मुंशी, राकेश कुशवाहा, लकी पटेल, शिब्बू तिवारी, ऋषि गौतम, कमल मिश्रा, प्रहलादधर द्विवेदी, राजमन पटेल विधायक, रामायण साकेत, सौरभ बाजपेई, आदित्य चतुर्वेदी, प्रदीप विश्वकर्मा, मोहित पटेल, चन्दन साकेत, सत्य प्रकाश तिवारी, सचिन कोरी, रोहन पटेल, अनूप कुमार साकेत, प्रभाकर पटेल, वीरेंद्र सिंह चंदेल, राघवेन्द्र द्विवेदी, भूपेंद्र पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी।

अमेरिका को जवाब, ट्रंप का दोहरा रवैया बेनकाब

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के खिलाफ अपनी मनमानी टैरिफ नीति को लेकर चाहे जितने बड़े बोल बोलें सच्चाई यह है कि भारत अब उनके दबाव में आने वाला नहीं है। उसे आना भी नहीं चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर ने यही संदेश देने के लिए यह कहा कि भारत ने अमेरिका से व्यापार वार्ता के मामले में लक्ष्मण रेखा खींच दी है। वस्तुत यह नए भारत का संदेश है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह कहकर एक तरह से अमेरिका को उसी की भाषा में जवाब दिया कि यदि आपको भारत की ओर से रूस से तेल खरीदने में परेशानी है तो आप उसे हमसे न खरीदें। ज्ञात हो कि भारत रूस से जो कच्चा तेल खरीदता है, उसके रिफाइंड उत्पादों के खरीदारों में यूरोप के साथ अमेरिका की भी गिनती होती है। यह तथ्य सामने रखकर भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दोहरे रवैये को बेनकाब करने का ही काम किया।

ऐसा करना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता सफल न होने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इतना ही नहीं, उन्होंने रूस से तेल खरीदने को तूल देकर जुर्माने के रूप में 25 प्रतिशत और टैरिफ लगाने की घोषणा की। इस घोषणा पर 27 अगस्त से अमल होना है। ट्रंप का तर्क है कि भारत रूस से तेल खरीदकर पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद कर रहा है। यह बेतुका और हास्यास्पद आरोप है, क्योंकि रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार तो चीन है, जिसके प्रति वे कठोर कदम उठाने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। यूरोप भी बड़ी मात्रा में रूस से गैस खरीदता है। खुद अमेरिका रूस से उर्वरक खरीद रहा है।

यह अच्छा हुआ कि विदेश मंत्री जयशंकर ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि जो व्यापार समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लिए काम करते हैं, वे दूसरों अर्थात भारत पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जो अमेरिका एक समय मुक्त व्यापार की वकालत करता था और दुनिया भर के देशों पर इसके लिए दबाव डालता था, वह आज घनघोर संरक्षणवादी रवैया अपनाए हुए है। इस रवैये का परिचय ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका के अरबपति कारोबारी भी दे रहे हैं। इस सबके बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत होने का नाम नहीं ले रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के खिलाफ अपनी मनमानी टैरिफ नीति को लेकर चाहे जितने बड़े बोल बोलें, सच्चाई यह है कि भारत अब उनके दबाव में आने वाला नहीं है। उसे आना भी नहीं चाहिए।

मराठी साहित्य से निर्मित हुई हिंदी साहित्य की धारा

प्रो. दयानंद तिवारी

भारतीय साहित्य की विविध धाराओं में महाराष्ट्र का योगदान केवल मराठी साहित्य की परिधि तक सीमित नहीं है। हिंदी साहित्य का भक्ति-युग, जो भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण का स्वर्णिम पर्व माना जाता है, उसकी अंतःसलिला में महाराष्ट्र के संतों का सजीव संस्कार विद्यमान है। हिंदी काव्य की भक्ति परंपरा का सांस्कृतिक रक्तसंचार महाराष्ट्र के संत-साहित्य से ही संभव हुआ। इसीलिए यदि हम हिंदी भक्ति-काव्य के उद्गम और संवेदना की तहों को परखें तो वहां महाराष्ट्र की वारकरी परंपरा की धड़कन स्पष्ट सुनाई देती है।

संत-परंपरा और लोक-संवेदना –महाराष्ट्र के संत साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने वेदांत के गूढ़ सत्य को लोक के हृदय तक पहुंचाया। आलंदी, देहू और पंढरपुर की यात्रा-पंक्तियां केवल तीर्थ-मार्ग नहीं थीं, वे भाषा और संस्कृति के जीवंत संवाद-पथ थे।

ज्ञानेश्वर ने गीता को ओवीबद्ध कर जनमानस को जो सुलभता दी, वही परंपरा आगे नामदेव, एकनाथ, तुकाराम, चोखामेला, जनाबाई और अन्य संतों के माध्यम से फली-फूली। इन संतों ने 'भक्ति' को केवल ईश्वर तक सीमित न रखकर उसे श्रम, सेवा और समता का सामाजिक विधान बना दिया।

चोखामेला ने अस्पृश्यता की पीड़ा को करुण पुकार दी, जनाबाई ने स्त्री-जीवन की पीड़ा और संघर्ष को वाणी दी, सावता माली ने श्रम को साधना का दर्जा दिया और गोरा कुम्हार ने मिट्टी और परिश्रम को ईश्वर-आराधना के समकक्ष प्रतिष्ठित किया। यह सब उस व्यापक लोक-संवेदना के द्योतक हैं, जिसने हिंदी भक्ति-साहित्य को करुणा और समरसता की गहराई प्रदान की।

नामदेव और हिंदी-संतभाषा :–

संत नामदेव का व्यक्तित्व हिंदी और मराठी के संगम का जीवंत उदाहरण है। उनकी वाणी दोनों भाषाओं में गूंजी और उत्तर भारत तक पहुंची। यही कारण है कि उनके पद गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हुए और आज भी हिंदी प्रदेशों के संत-समाज में गाए जाते हैं। नामदेव ने भक्ति को केवल भावनात्मक अनुभव नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सामाजिक आचरण का सूत्र बनाया। उनके हिंदी पद लोकभाषा की सहजता और मराठी अभंगों की करुणा से परिपूर्ण हैं। इस प्रकार वे हिंदी भक्ति-काव्य के अनिवार्य स्तंभ हैं।

तुकाराम और लोकमंगल की ध्वनि –तुकाराम ने मराठी अभंगों में जीवन की सहजता और लोक-संघर्ष को जिस रूप में व्यक्त किया, उसका सीधा प्रभाव हिंदी की कीर्तन-परंपरा और पद-गायन पर पड़ा। तुकाराम का भक्ति-दर्शन आत्मदर्शन और लोककल्याण का अद्वितीय संगम है। हिंदी के संत कवियों ने उनके अनुभव से प्रेरणा ग्रहण की और भक्ति को लोक-धर्म का स्वरूप दिया।

उनके अभंग केवल मराठी जनमानस की संपत्ति नहीं रहे, वे हिंदी क्षेत्र के कीर्तन-गायक मंडलों में भी गुंजायमान हुए। यही कारण है कि हिंदी का संत-काव्य लोकजीवन की सरलता और सहज भावुकता का परिचायक बन सका।

एकनाथ और कर्मयोग –संत एकनाथ ने भक्ति को कर्मयोग के साथ जोड़ा। उन्होंने लोकधर्म को सामाजिक कर्तव्य का अंग मानते हुए भक्ति को जीवन-व्यवहार में उतारा। उनके विचारों ने हिंदी आलोचकों को भी आकर्षित किया। हिंदी संत-साहित्य में जो समाजधर्मी दृष्टिकोण दिखाई देता है, उसमें एकनाथ की प्रतिध्वनि स्पष्ट है।

समर्थ रामदास और नीति-परंपरा – समर्थ रामदास ने 'दासबोध' के माध्यम से नीति, पराक्रम और आत्मशासन का जो संदेश दिया, उसका प्रभाव केवल मराठी तक सीमित न रहा। हिंदी क्षेत्र में नीति-विमर्शों, प्रवचनों और साहित्यिक चिंतन में दासबोध का बार-बार उल्लेख हुआ। इस प्रकार महाराष्ट्र की यह नीति-धारा हिंदी काव्य और गद्य दोनों में प्रवेश कर गई।

हिंदी साहित्य और महाराष्ट्र की संतवाणी –हिंदी का भक्ति-युग जिस करुणा, समता और समरसता का वाहक है, उसकी जड़ें महाराष्ट्र की संतवाणी में प्रतिष्ठित हैं।

कबीर की साखियों में चोखामेला की पीड़ा की गूंज सुनाई देती है।

आपरेशन सिंदूर को स्थगित करना पाकिस्तान पर सदैव लटकने वाली तलवार है जो न केवल उसके नाभिकीय ब्लैकमेल को दरकिनार करती है वरन वहां की सरकार और सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाती है। 15 अगस्त को मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा कर मोदी ने बाहरी आक्रमण से संवेदनशील प्रतिष्ठानों को सुरक्षित करना और सशक्त प्रत्युत्तर देना भी सैन्य रणनीति मां शामिल किया है।

मोदी का नव पंचशील सिद्धांत, नया भारत, नई रणनीति

डा. एके वर्मा

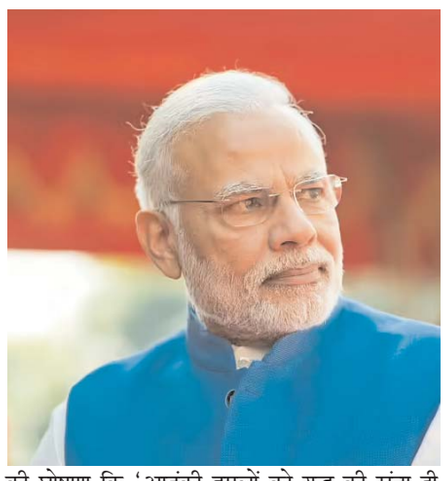

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने 12वें उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए भारत और राष्ट्र प्रथम को सर्वोपरि रखते हुए एक तरह से नव पंचशील सिद्धांत का उद्घोष किया। अप्रैल 1954 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के पीएम चाऊ एन लाई ने पंचशील सिद्धांत का निरूपण किया था, जो पारस्परिक सम्मान, अहस्तक्षेप, समानता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित था, पर 1962 में चीन ने हमारे हजारों किमी भू-भाग पर कब्जा कर उसकी अंत्येष्टि कर दी।

प्रधानमंत्री मोदी को 2014 में विरासत में विषम आंतरिक और बाह्य परिस्थितियां मिलीं। उनका सामना करते हुए उन्होंने पंचशील सिद्धांत का पालन किया। विगत 11 वर्षों में उन्होंने भारत की वैश्विक छवि और शक्ति में गुणात्मक परिवर्तन किया है। पाकिस्तानी आतंकियों की ओर से पहलगाम में लोगों का मजहब पूछकर हत्या के बाद पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य शक्ति से विश्व को परिचित कराया। मोदी ने विश्व को संदेश दिया कि यह नया भारत है, जो पुराने पंचशील सिद्धांत का अनुपालन करते हुए एक नव पंचशील सिद्धांत का उद्घोष करता है।

मोदी का नव पंचशील सिद्धांत नई सैन्य रणनीति, कुशल विदेश नीति, चतुर कूटनीति, नवीन आर्थिक संकल्पना और हिंदुत्ववादी समावेशी राजनीति पर आधारित है। यह उभरते भारत की अस्मिता है। भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम की चर्चा पूरे विश्व में हमेशा रही है, पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और रणनीतिक कमजोरियों के चलते कई बार सेना का सामर्थ्य व्यर्थ हो गया, वह चाहे 1962 में चीन से, 1965 में पाकिस्तान से युद्ध हो या 1971 में बांग्लादेश युद्ध।

1965 और 1971 में भारत अपनी विजय के बावजूद कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। इससे पाकिस्तान को भ्रम हो गया कि भारत उसके प्रति आक्रामक रुख नहीं अपना सकता। नाभिकीय शक्ति प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान और भी आश्वस्त हो आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने लगा, पर मोदी ने देश की सैन्य रणनीति का 'गियर' बदल दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ किए गए आपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि अब आतंकी गतिविधियों का प्रत्युत्तर भारत कैसे देगा। मोदी की घोषणा कि 'आतंकी हमलों को युद्ध की संज्ञा दी जाएगी' भारतीय सैन्य रणनीति को एक नया आयाम देती है।

आपरेशन सिंदूर को स्थगित करना पाकिस्तान पर सदैव लटकने वाली तलवार है, जो न केवल उसके नाभिकीय ब्लैकमेल को दरकिनार करती है, वरन वहां की सरकार और सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाती है। 15 अगस्त को मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा कर मोदी ने बाहरी आक्रमण से संवेदनशील प्रतिष्ठानों को सुरक्षित करना और सशक्त प्रत्युत्तर देना भी सैन्य रणनीति मंग शामिल किया है। विदेश नीति में वैश्विक शक्तियों से समान दूरी के सिद्धांत का परित्याग कर मोदी ने सबसे समान निकटता का सिद्धांत अपनाया है, जो वसुधैव कुटुंबकम् के अनुरूप है। उन्होंने अगस्त 2025 तक 78 देशों की यात्राएं की हैं और 27 देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है।

वे वैश्विक प्रतिस्पर्धियों जैसे अमेरिका-रूस, रूस-यूक्रेन, अरब-इजरायल, अमेरिका-चीन तथा अन्य छोटे-बड़े सभी देशों से बात कर सकते हैं। उनकी विदेश नीति में पंचशील से आगे पंचामृत के दर्शन होते हैं, जो सम्मान, संवाद, संवृद्धि, सुरक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता से निर्मित है। मोदी भारतीय सम्मान से समझौता किए बिना सभी देशों से संवाद करते हैं, ताकि सभी का हित हो और किसी की सुरक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता पर आंच न आए। इसीलिए चीन से तमाम तनाव के बावजूद वे चीन जा रहे हैं।

कूटनीतिक कुशलता नव पंचशील का तीसरा तत्व है, जिसमें यथार्थवाद और नैतिकता का अद्भुत समन्वय है। अपनी कूटनीति से मोदी सबको चकित करते हैं। उनमें चातुर्य के साथ सहनशीलता है। वे साम, दाम, दंड और भेद का समुचित प्रयोग करते हैं। आपरेशन सिंदूर के बाद उनकी ओर से विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना इसका उदाहरण है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव पर बार-बार मध्यस्थता का श्रेय लेने की कोशिश और असभ्य राजनयिक भाषा के प्रयोग का जवाब देने की विपक्षी चुनौती को अनदेखा कर मोदी ने दृढ़ता से, पर सभ्य राजनयिक भाषा में प्रत्युत्तर दिया। उन्होंने ट्रंप के अमेरिका आने के आमंत्रण को सधन्यवाद अस्वीकार किया और संसद में स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम बिना किसी मध्यस्थ के पाकिस्तान के आग्रह पर हुआ। उनकी कूटनीति भारतीय बाजार के हितों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है, ताकि भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके। वे किसी सामरिक संघर्ष में उलझना नहीं चाहते।

नव पंचशील का चौथा तत्व आर्थिक सामर्थ्य है, जो स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के स्तंभों पर खड़ा है। गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी को हथियार के रूप में प्रयोग किया था। पीएम मोदी भी स्वदेशी का आह्वान कर नव साम्राज्यवाद से लड़ रहे हैं। सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत की वैश्विक निर्णयन में बराबरी की भूमिका हो, इसके लिए मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे भारतीय बाजार को अमेरिकी लूट के लिए नहीं खोलेंगे और भारत किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से समझौता नहीं करेगा।

फाइटर जेट इंजन, सेमीकंडक्टर आदि का देश में निर्माण कर वे भारत को विकसित बनाना चाहते हैं। उनके नव पंचशील का पांचवां तत्व समावेशी राजनीति है, जो जातिवादी अस्मिता की राजनीति से आगे निकल वर्ग राजनीति की ओर जाती है। इसीलिए वह चार वर्गों- महिलाओं, युवाओं, छोटे किसानों और गरीब-शोषित-वंचित को विशेष तरजीह देते हैं। वे 140 करोड़ देशवासियों की बात करते हैं। हिंदुत्व को केंद्र में रख उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि मंदिर का निर्माण कराया, अनुच्छेद-370 खत्म किया और अब समान नागरिक संहिता की ओर अग्रसर हैं। उनका नव पंचशील सिद्धांत भारत के वैश्विक संबंधों को पुनर्परिभाषित कर एक नई भू-राजनीतिक व्यवस्था को जन्म देने में तो समर्थ है ही, भारतीय लोकतंत्र के पारंपरिक व्याकरण को बदलने की संभावनाएं भी संजोए है।

अमेरिकी ओपन में धावा बोलेंगे से सी कीड़े

अमिताभ श्रीवास्तव

टेनिस ग्रैंड स्लेम की विख्यात स्पर्धा अमेरिकी ओपन में सेक्स के लिए पागल और फसल के भूखे कीड़ों का हमला होने की पूरी संभावना है। तीन सप्ताह तक चलनेवाले इस टूर्नामेंट में धब्बेदार लैंटर्नफ्लाईज के झुंड के कारण व्यवधान उत्पन्न हो सकता है, जिनकी जनसंख्या में इस समय विस्फोट हो रहा है। बताया जाता है कि ये कीड़े सेक्स के लिए पागल होते हैं और इसी वजह से अगस्त महीने में इनकी पैदावार लाखों में होती है। भीषण गर्मी के दौरान न्यूयॉर्क राज्य के 62 में से 29 शहरों में ये खतरनाक जीव देखे गए हैं। ग्रैड स्लैम का आयोजन स्थल फ्लशिंग मीडोज है, जो राज्य का चौथा सबसे बड़ा सार्वजनिक पार्क है, जिसका कुल क्षेत्रफल 897 एकड़ है। यदि आयोजन स्थल पर कोई कीड़ा दिखाई दे तो प्रशंसकों और खिलाड़ियों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों को इसकी सूचना दें या फिर उन्हें कुचलकर मार डालें। लैंटर्नफ्लाईज सब्जियों के बगीचों से लेकर फलों के पेड़ों तक सब कुछ ये कीड़े खा जाते हैं। आमतौर पर ये अगस्त में सहवास कर रहे होते हैं। पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में कीट विज्ञान की प्रोफेसर केली हूवर ने अपना डर जाहिर किया है कि ये पूरे अमेरिका में जंगल की आग की तरह पैसल जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वे रेलगाड़ियों, विमानों और जहाजों पर भी धीरे-धीरे सवार हो रहे हैं।' यदि ऐसा रहा तो अमेरिकन ओपन के बीच ये कीड़े धावा बोलेंगे और मैचो को बाधित कर सकते हैं।

रेसलर को चमगादड़ ने काटा: डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज रेसलर चार्ल्स रॉबिन्सन को चमगादड़ ने काट लिया और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। जी हां, रॉबिन्सन ने खुद सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि उन पर एक चमगादड़ ने हमला किया। 61 वर्षीय रॉबिन्सन 1995 से डब्ल्यूडब्ल्यूई से जुड़े हुए हैं और रिंग में रेफरी तथा क्रू सदस्य के रूप में भी काम कर चुके हैं। पिछले दिनों उन्हें एक चमगादड़ ने काट लिया, जिसके बाद उनकी व्यस्ततम दिनचर्या बाधित हो गई।

हमारा स्वास्थ्य ढांचा और डॉ. भागवत का बयान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने पिछले दिनों इंदौर में महंगी स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में महंगी चिकित्सा सुविधाएं नि:सन्देह चिंता का विषय है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि निजी अस्पताल मरीजों को एटीएम समझते हैं।

डॉ. अजय खेमरिया

असल में भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र गंभीर विसंगतियों से भरा हुआ है। एक तरफ तो हम सस्ती दवाओं और वैक्सीन के उत्पादन में विश्व भर में शीर्ष पर है लेकिन हमारे ही नागरिक दुनिया में अपने स्वास्थ्य पर अपनी जेब से सर्वाधिक पैसा भी खर्च करते हैं।देश में आर्थिक भेदभाव कम हो रहा है इसे दुनिया के तमाम संगठन मान रहे हैं लेकिन यह भी तथ्य है कि देश में करीब 7 फीसदी लोग महंगे इलाज के कारण गरीबी के गर्त में हर साल पहुँच जाते हैं। पिछले साल दिल्ली के एक निजी अस्पताल का किडनी उपचार सम्बंधित बिल 2473894 रुपये का बनाया गया था। यह बानगी भर है कि निजी क्षेत्र का स्वास्थ्य तन्त्र किस तरह काम कर रहा है। एसीकेओ इंडिया हेल्थ इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट कहती है कि देश में हर साल इलाज महंगा होने की दर 14 फीसदी है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक आयुष्मान भारत जैसी बेहतरीन योजना के बाबजूद देश में अभी भी 40 फीसदी लोग अपने स्वास्थ्य पर अपनी जेब से खर्च कर रहे हैं जिसे ओओपीई (आउट औफ पॉकेट एक्सपेंडिचर) कहा जाता है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत 18 फीसदी से काफी अधिक है। हालांकि आयुष्मान भारत के बाद स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च 29 से बढ़कर 48 प्रतिशत हुआ है, यह एक अच्छा संकेतक है। डॉ मोहन भागवत ने जिस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट किया है वह आम आदमी के दर्द को अधोरेखित करने वाला है क्योंकि 23 फीसदी लोग अभी भी अस्पताल के खर्चों के लिए उधार लेने पर मजबूर हैं।

महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे अहम पहलू दवाओं से जुड़ा है क्योंकि दवाएं अभी भी बहुत महंगी है। निजी क्षेत्र में उपचार के दौरान 70 से लेकर 90 फीसदी तक एलोपैथी दवाएं ब्रांडेड ही उपयोग में आ रही हैं ,जबकि सरकार ने सस्ती जेनरिक दवाओं के लिए प्रधानमंत्री जन औषिधि केंद्र आरम्भ किये है। इन केंद्रों पर 90 फीसदी तक दवाओं के दाम ब्रांडेड दवाओं की तुलना में कम होते हैं। जेनेरिक दवाओं के लिए सरकारी प्रयास फार्मा लॉबी के दबाव में फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं।अभी तक देश भर में 15057 जेनेरिक स्टोर खुल पाए हैं और विसंगति यह है कि इन स्टोरों में ब्रांडेड दवाओं की बिक्री भी जेनेरिक के साथ में की जा रही है।

भारत में एलोपैथी दवाओं का सालाना कारोबार 4.2 लाख करोड़ का है। करीब 3 लाख करोड़ की खपत भारतीय बाजार में है और 1.2 लाख करोड़ की दवाएं निर्यात की जाती हैं। सरकार को सर्वोपरि प्राथमिकता पर इसी क्षेत्र में काम करने की आवश्यकता है। अभी जेनेरिक दवाओं की तुलना में ब्रांडेड दवाओं की कीमतें 30 से 2000 फ़ीसदी तक महंगी बिक रही हैं। ब्रांडेड दवाओं के इस संगठित कारोबार को रोक कर महंगे इलाज को झटके में जमीन पर लाया जा सकता है। असल में देश को हरित क्रांति की तरह दवा क्रांति की आवश्यकता भी है क्योंकि अभी इस क्षेत्र में कोई खास विनियमन नहीं है। आजादी के समय यूरोपीय पेटेंट वाली दवाएं इसलिए महंगी थी क्योंकि हमारे यहां उत्पादन ही नहीं था। 1970 में पेटेन्ट एक्ट के बाद भारत ने दवाओं के निर्माण में अभूतपूर्व काम किया। आज हम विश्व के अग्रणी उत्पादक हैं। कोरोना वैक्सीन में भारत का यह दम दुनिया ने देखा ही है।

महंगे इलाज का दूसरा कारक स्वास्थ्य क्षेत्र के कॉर्पोरेटाइजेशन (निगमीकरण) का है क्योंकि देश में 1980 तक स्वास्थ्य प्रदाता के रूप में धर्मार्थ न्यास या फाउंडेशन ही सक्रिय थे और सबका उद्देश्य मुनाफा नहीं सेवा मुख्य था। इसके बदले में सरकार ने गरीबों को सस्ते इलाज और स्थानीय रोजगार के नाम पर मुफ्त जमीनें दी और टैक्स रियायतें उपलब्ध कराई। आज इस क्षेत्र में नए खिलाड़ी आ गए हैं जिनका उद्देश्य कारपोरेट घरानों की तरह कारोबार करना है। यही कारण है कि देश के दो तिहाई अस्पताल शहरी क्षेत्रों में हैं और इन अस्पतालों से महज एक तिहाई आबादी को ही सेवाओं का कवरेज मिल रहा है।

निजी अस्पतालों की सघनता शहरी क्षेत्रों में घनीभूत है क्योंकि निवेशकों की नजर ज्यादा पैसे वाले क्षेत्रों में ही होती हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि इन शहरी क्षेत्रों में आने वाले अधिसंख्य मरीज उन बीमारियों के होते हैं जिनको आरम्भिक शिकायत पर ही ठीक किया जा सकता है लेकिन सार्वजनिक सेवाओं का ढांचा ग्रामीण कस्बाई स्तर पर मृत प्रायः है। नतीजतन शहरी स्वास्थ्य सेवाओं पर आम आदमी की निर्भरता मजबूरी बन जाती है।

यह तथ्य है कि आजादी के बाद पहली मर्तबा स्वास्थ्य और संबद्ध सेवाओं पर सुव्यवस्थित ढंग से काम आरम्भ हुआ है। पेयजल, स्वच्छता और आवास के तीन प्रमुख स्वास्थ्य से सम्बद्ध क्षेत्रो में मोदी सरकार ने पिछले दस साल में बुनियादी काम संस्थित किये हैं। इन तीनों विषयों पर मिशन मोड में काम भी प्रगति पर है।इसी तरह आयुष्मान भारत योजना ने भी स्वास्थ्य पर निजी खर्च (ओओपीई)को 63 से 40 प्रतिशत पर लाने का काम किया है। जनवरी 2025 तक 36.9 करोड़ आयुष्मान कार्ड देश में क्रियाशील है। योजना के तहत 8.5 करोड़ लोगों के इलाज पर सरकार ने 1.40 लाख करोड़ की राशि अब तक खर्च की है।

इस तस्वीर के पीछे दो धब्बे भी हैं जिन पर चर्चा नहीं हो रही है। पहला यह कि 4.3 करोड़ मरीजों के इलाज आयुष्मान के तहत निजी अस्पतालों में हुए है और सरकारी अस्पतालों में यह आंकड़ा 4.2 है। देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों ने फर्जीवाडा नही किया हो। यानी मरीज को बिना भर्ती किये ही उसे भर्ती दिखाकर अरबों रुपये का गोलमाल हुआ है।

डॉ. भागवत देशभर में सतत प्रवास करते हैं और उनके कहने का सार इन्ही विसंगतियों की ओर ही है। दूसरा तथ्य यह कि इस योजना का 50 प्रतिशत लाभ दक्षिण के पांच राज्य केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना के नागरिकों द्वारा उठाया गया है। यहां एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह कि इन पांच राज्यों में लोग सरकारी अस्पतालों में इस योजना का सर्वाधिक लाभ ले रहे हैं। यानी इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भरता नहीं है। इसका मतलब यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज का जो आंकड़ा निजी के बराबर दिख रहा है उसमें पांच दक्षिणी राज्यों का निर्णायक योगदान है।

तस्वीर का दूसरा पहलू उत्तर प्रदेश है जहां 5.1 करोड़ आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद महज 43 लाख लोगों ने ही योजना का लाभ लिया। समझा जा सकता है कि उत्तर और पश्चिम के राज्यों में निजी अस्पतालों ने आयुष्मान का भरपूर फायदा उठाया है। यह भी जानना आवश्यक है कि इन पांच राज्यों में देश की कुल 20 प्रतिशत आबादी ही आती है। यानी 80 फीसदी आबादी को महज 50 फीसदी हिस्सेदारी में संतोष करना पड़ रहा है।

सीएससी संचालकों द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली पर सख्ती

श्रम विभाग ने जारी किए निर्देश

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने प्रदेश के सभी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि श्रमिकों से पंजीयन एवं योजना आवेदन के लिए केवल निर्धारित शुल्क ही वसूला जाए। यह निर्देश हाल ही में प्राप्त शिकायतों के आधार पर जारी किए गए हैं, जिनमें पाया गया है कि कुछ सीएससी संचालकों द्वारा 1000 से 1500 रुपए तक की अवैध वसूली की जा रही है, जबकि विभाग द्वारा अधिकतम 20 से 30 रुपए शुल्क ही निर्धारित किया गया है। श्रम विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सभी सीएससी संचालकों को पंजीयन एवं योजनाओं से संबंधित शुल्क की दरें सूचना बोर्ड पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होंगी। यदि कोई संचालक तय शुल्क से अधिक राशि वसूलते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सहायक श्रमायुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार इस दिशा में निगरानी और निरीक्षण की प्रक्रिया को और सख्त किया जा रहा है।

जिला स्तर पर कलेक्टर के संज्ञान में लाकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, सीएससी संचालकों और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी ताकि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। पोर्टल पर दर्ज पंजीयन एवं योजना आवेदन की स्वीकृति या निरस्तीकरण की भी रैंडम आधार पर जांच की जाएगी। साथ ही शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष तंत्र तैयार किया जा रहा है। श्रमिकों और हितग्राहियों को ÷श्रमेव जयते मोबाइल ऐप के माध्यम से जागरूक किया जाएगा और सभी श्रम कार्यालयों एवं श्रम संस्थानों से ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को मिली सब्सिडी की राशि

कोंडागांव, एजेंसी। जिला कोण्डागांव अंतर्गत क्रय किये गए इलेक्ट्रिक वाहनों के वाहन स्वामियों को जिला परिवहन कार्यालय कोण्डागांव के द्वारा शासन के निर्देशानुसार उनके बैंक खाते में सब्सिडी की राशि का हस्तांतरण डीबीटी के माध्यम कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा इलेक्ट्रीक वाहन खरीदी को बढ़ावा देने हेतु राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन नीति लागू किया गया है। जिसके अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदी करने पर वाहन के मूल्य का 10 प्रतिशत राशि सब्सिडी के रूप में राज्य शासन द्वारा प्रदाय किया जाता है। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला कोण्डागांव अंतर्गत अभी तक कुल 84 इलेक्ट्रिक वाहन स्वामियों को कुल 08 लाख 12 हजार 758 रुपये उनके बैंक खाते में सब्सिडी की राशि के रुप में हस्तांतरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जिन वाहन स्वामियों द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन खरीदा गया है, परंतु सब्सिडी की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त नहीं हुई है, ऐसे वाहन स्वामी जिला परिवहन कार्यालय, कोण्डागांव में कार्यालयीन दिवस में संपर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य ने किया यौन उत्पीड़न, महिला कर्मचारियों की शिकायत पर गिरफ्तार

जशपुर, एजेंसी। पत्थलगांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां स्कूल के प्राचार्य पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। स्कूल की महिला व्याख्याता समेत महिला कर्मचारी ने प्राचार्य पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। आरोपी प्राचार्य पर छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज की गए हैं। पुलिस ने आरोपी प्रचार्य को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस घटना के सामने आने के बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला पत्थलगांव के बगीचा थाने के शासकीय उच्च. मा. विद्यालय बिमड़ा का है। यहां कार्यरत महिला व्याख्याता समेत महिला कर्मचारी ने प्राचार्य पर फोन में अश्लील बातें करने और स्कूल में छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्राचार्य के खिलाफ छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपी प्राचार्य को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस मामले में ष्ठश्वह्व का बयान भी सामने आया है। DEO ने कहा कि, प्राचार्य के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

रजत जयंती पर हुआ हुआ विविध कार्यक्रम, हितग्राहियों को बांटे गए वनाधिकार पत्र

बीजापुर, एजेंसी। रजत जयंती के अवसर पर उसूर विकास खंड में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार अधिनिय 2005 अंतर्गत स्वीकृत कुल 303 हितग्राहियों को व्यकिगत वन अधिकार मान्यता पत्र उपस्थित जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित वितरण किया गया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष जानती कोरसा जनपद पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा तेलंम जंप उपाध्यक्ष तिरुपति पुनेम जिला पंचायत सदस्य शंकरिया मांडवी अन्य जनपद सदस्य एवं सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्राम पंचायत करकेली में रजत जयंती के तहत हुआ मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

बीजापुर, एजेंसी। रजत जयंती के अवसर पर कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान ग्राम पंचायत करकेली में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें हितग्राहियों को पोषण शिक्षा स्वास्थ्य एवं देखभाल के बारे में जानकारी बताया गया, ग्राम के 30 एनिमिक महिला हितग्राहियों एवं 42 बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण कर मुफ्त में दवाईयां वितरण किया गया। उपस्थित सभी ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई एवं बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ ग्रहण कराया गया, सभी को महिला हेल्प लाइन 181, व चाईल्ड हेल्प लाइन 1098 की जानकारी दिया गया।

अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ी कलाकार पर हमला

अंबिकापुर, एजेंसी। युवाओं में चर्चित छत्तीसगढ़ी कलाकार स्वप्निल जायसवाल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. इस घटना को लेकर उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है. इसमें उनके कान और पैर पर गंभीर चोटें नजर आ रही है. स्वप्निल ने कुछ लोगों पर उनके साथ मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं. वहीं फैंस लगातार कमेंट्स में अपनी चिंता जाहिर कर रहे हैं और स्वप्निल के शीघ्र स्वस्थ होने की बात कह रहे हैं. छत्तीसगढ़ी कलाकार स्वप्निल जायसवाल ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी करते हुए बताया कि अक्सर लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर गाना गाते सुना होगा, लेकिन वह इस बार जरूरी बात करने जा रहे हैं. अंबिकापुर में बीती रात वह अपने दोस्तों के साथ कार में निकले थे, जैसे ही वह कार से बाहर आए कुछ लोगों ने उनपर अचानक हमला कर दिया.

स्वप्निल ने संजय सिंह और अंकित ताम्रकार पर उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि आरोपी ने उनसे पैसे मांगने के बाद मारपीट करने लगा।

बस्तर में अब बहेगी बदलाव की नई बयार : विधायक किरण देव

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत महोत्सव के तहत शनिवार 23 अगस्त को लालबाग स्थित शौर्य भवन के सभागार में जिला प्रशासन द्वारा बस्तर संवाद- इतिहास, संस्कृति और बदलाव विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।

उक्त परिचर्चा में विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे, नगर पालिक निगम के सभापति खेमसिंह देवांगन सहित आईजी बस्तर सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन और विश्विद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापक, साहित्य, कला एवं पर्यटन से जुड़े विशिष्टजन आदि शामिल हुए। इस मौके पर वक्ताओं ने बस्तर की समृद्ध संस्कृति को सहेजकर रखने सहित बदलते परिदृश्य में विकास के नए आयाम स्थापित करने पर बल दिया।

परिचर्चा में मुख्य अतिथि की आसंदी से जगदलपुर विधायक किरण देव ने कहा कि अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य और अकूत खनिज संपदा सहित प्रचुर वनोपज से परिपूर्ण बस्तर में बीते 25 सालों में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में बस्तर से माओवाद की समस्या अब समूल खात्मे की स्थिति में है और हमारा बस्तर वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना विकास सहित शान्ति और खुशहाली की ओर अग्रसर है। निकट भविष्य में यह अवश्यम्भावी है कि हम सभी के समन्वित प्रयास से बस्तर में बदलाव की नई बयार बहेगी। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति और रहन-सहन अनूठी है। यहां हर 20 किलोमीटर में परिधान के साथ ही भाषा बोली भी बदल जाती है। विधायक किरण देव ने अपने युवावस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक क्रिकेटर के तौर पर रात को दो बजे बीजापुर की यात्रा मोटर सायकल से कर चुके हैं। इस बीच माओवादी गतिविधियां बढ़ने के कारण रात्रिकालीन यात्रा संबंधी गतिविधियों को विराम देना पड़ा, किन्तु अब नक्सल गतिविधियां खत्म हो रही हैं और निश्चित तौर पर बस्तर में शांति स्थापना हो रही है। इससे बस्तर की सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर को प्रकृति का अनुपम वरदान है। रामायण में दंडकारण्य के नाम से उल्लेखित इस भूमि में कांटे नहीं चुभते, जिसके कारण लोग नंगे पांव मीलों सफर कर लेते हैं। बस्तर की सुन्दरता का वर्णन करना आसान कार्य नहीं है।

बस्तर की नैसर्गिक सुन्दरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यूनेस्को द्वारा किए गए सर्वेक्षण में बस्तर के धुड़मारास को पर्यटन की दृष्टि से विश्व के 20 सर्वश्रेष्ठ गांवों में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि अब गांव-गांव में बिजली पहुंच रही है। इसके साथ ही सड़क एवं संचार के साधनों की भी पहुंच बढ़ी है।

इससे व्यापक जनजागरूकता आयी है और बस्तर के लोग अब विकास की ईबारत गढ़ने के साथ बदलाव की नई दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर महापौर संजय पांडे ने बस्तर के पौराणिक इतिहास का उल्लेख किया और कहा कि इस क्षेत्र का उल्लेख रामायण और महाभारत में भी मिलता है और इसी के फलस्वरूप पौराणिक के साथ ही सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तौर पर बस्तर अपना विशिष्ट महत्व रखता है।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित पहल से बस्तर में अब माओवाद समस्या अंतिम सांस ले रही है जो जल्द ही खत्म हो जाएगी। उन्होंने बस्तर में माओवादी गतिविधियों के शुरुआत से लेकर वर्तमान में नक्सलियों की क्षीण पड़ती शक्ति के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु दुर्भाग्यजनक है किंतु घने जंगलों के बीच पुलिस और सुरक्षा जवानों पर किए गए हमलों के दौरान वे भी आत्मरक्षा में कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा कि पहले हमारे सुरक्षा जवानों का बलिदान बहुत अधिक होता था, किन्तु अब हमारे जवान पूरे मनोबल के साथ माओवादियों पर लगातार भारी पड़ रहे हैं और नेतृत्व तथा हथियारों के अभाव में माओवादियों का समूल विनाश अवश्यम्भावी है। सरकार अपने इसी संकल्प के अनुरूप माओवाद समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए ऑपरेशन, विकास, कनेक्टिविटी सहित सकारात्मक पहल चार प्रमुख रणनीति के तहत काम कर रही है जिससे जल्द ही हमें सफलता मिलेगी।

परिचर्चा में बस्तर विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अप्रतिम झा ने बस्तर के ऐतिहासिक स्थानों के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए इनके संरक्षण के लिए युवाओं को आगे आने की अपील की। बादल संस्थान के भरत गंगादित्य ने बस्तर के लोकगीतों का संरक्षण, हितप्रिता ठाकुर ने हल्बी बोली और नीलूराम कोर्राम ने गोंडी बोली के महत्व के संबंध में जानकारी दी। ब्लागर उपेन्द्र ठाकुर ने ब्लॉग के माध्यम से बस्तर के पर्यटक स्थलों के साथ ही यहां की संस्कृति और व्यंजनों के प्रचार प्रसार के संबंध में जानकारी दी। बस्तर के स्थानीय फिल्मकार अविनाश प्रसाद ने बस्तर में फिल्म निर्माण में आए बदलावों के संबंध में जानकारी दी। सीईओ जनपद पंचायत जगदलपुर अमित भाटिया ने बस्तर के हाट-बाजार और व्यंजनों के सम्बन्ध में जानकारी दी। इस दौरान वक्ताओं ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं युवाओं के शंकाओं का समाधान भी किया। इस कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी तथा विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र तथा विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : 109 महिलाओं की कैम्प में हुई स्वास्थ्य की जांच, चिकित्सकों ने दिए परामर्श

जशपुरनगर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में श्महतारी मेगा हेल्थ कैम्पश् का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। जहां चिकित्सकों द्वारा तत्समय जांच कर परामर्श करते हुए उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी प्रदान की। इस कैम्प में रक्तचाप, मधुमेह, मौसमी बुखार, जुखाम जैसी बीमारियों की जांच की गई। शिविर में कुल 109 महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच चिकित्सकों द्वारा की गई।

इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, पार्षदगण राजेश कुमार गुप्ता, शैलेन्द्री यादव, कंचन बैरागी, विजेता भगत, शशि भगत, कमला बाई, शबनम खातून, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित महिलाएं मौजूद रहीं।

अंगदान-देहदान के प्रणेता पवन केसवानी को मिला विशेष सम्मान

भिलाई, एजेंसी। अंगदान और देहदान के प्रति जनजागरूकता फैलाने के लिए विगत 18 वर्षों से लगातार काम कर रहे प्रणाम संस्था के अध्यक्ष पवन केसवानी को शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, बिलासपुर में विशेष सम्मान से नवाज़ा गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में ÷अंगदान एवं देहदान- वर्तमान प्रक्रिया, परिदृश्य, चुनौतियां एवं संभावनाएं÷ विषय पर राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पवन केसवानी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पवन केसवानी ने अपने संबोधन में अंगदान और देहदान के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने 18 वर्षों के अनुभव और जनजागरूकता अभियानों को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी संस्था ने अब तक 2100 से अधिक लोगों को अंगदान और देहदान के लिए प्रेरित किया है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर श्याम सुंदर दुबे, प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी यशपाल ध्रुव और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रशांत निषाद मौजूद रहे। गोष्ठी के दौरान बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राएं, सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और आमजन शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रोजेक्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से अंगदान-देहदान से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई और युवाओं को इस जीवनदायी अभियान से जुड़ने का संदेश दिया गया।

जशपुर की बेटी सरस्वती सोरेन ने छुआ सुरों का आकाश

जशपुरनगर, एजेंसी। प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती। जशपुर जिले के झोलंगा गांव की नन्ही सरस्वती नायक इसका जीवंत उदाहरण है। दिव्यांग होने के बावजूद सरस्वती ने अपने हौसले और लगन से नागपुरी संगीत की दुनिया में एक खास पहचान बनाई है।कम उम्र में ही उसकी मधुर आवाज और गहन साधना ने लोगों का दिल जीत लिया है।सरस्वती की यह संघर्ष भरी यात्रा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तक पहुँची। उनकी प्रतिभा और जज्बे से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री ने सरस्वती को प्रोत्साहन स्वरूप 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। इस संवेदनशील पहल से नन्हीं कलाकार और उसका परिवार गद्गद हो उठा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस्वती जैसी प्रतिभाएं समाज के लिए प्रेरणा हैं। हमें गर्व है कि जशपुर की धरती से ऐसी सुरों की साधिका आगे बढ़ रही है। सरकार उसकी हर संभव मदद के लिए तैयार है।सहायता राशि प्राप्त कर सरस्वती और उसके परिजनों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह सहयोग उसके सपनों को नई उड़ान देगा।

जशपुर की बेटी सरस्वती सोरेन ने दिल्ली के नेशनल बाल भवन के मंच में दे चुकी है प्रस्तुति:जिले की तहसील जशपुर अंतर्गत झोलांगा पोस्ट लोखंडी की 19 वर्षीय सरस्वती सोरेन आज पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन गई हैं। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने अपने हौसले और प्रतिभा से नागपुरी संगीत में एक अलग पहचान बनाई है।सरस्वती ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई रायपुर के दिव्यांग स्कूल में की।

सातवीं कक्षा तक पढ़ाई के दौरान एक बीमारी ने उनकी शिक्षा की राह रोक दी, लेकिन गाने का शौक और प्रतिभा उनके अंदर और प्रखर होती गई। इसी दौरान स्कूल स्तर पर हुए गायन प्रतियोगिताओं में उन्होंने अपनी कला का लोहा मनवाया। बचपन से ही संगीत साधना में लीन सरस्वती ने मंच पर कई प्रस्तुतियां दीं। वह दिल्ली के नेशनल बाल भवन जैसे प्रतिष्ठित मंच पर भी अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं, जहां उनकी आवाज़ ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया संगीत साधना को आगे बढ़ाने में सहारा बनेगा।

महिला कारोबारी से 50 लाख की ठगी, दूसरा आरोपी भी अरेस्ट

रायगढ़, एजेंसी। नाबार्ड योजना के तहत 6 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने जांजगीर चांपा की महिला से 50 लाख की ठगी की है। 2 लोगों ने नाबार्ड योजना का फर्जी टेंडर दिखाकर भरोसा दिलाया कि कंपनी को प्रोजेक्ट दिलवाएंगे। झांसे में आकर महिला ने किश्तों में पैसे दे दिए। इस मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने पहले ही पकड़ लिया था। दूसरे फरार सह-आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जांजगीर चांपा के ग्राम खोखरी की रहने वाली अनिता साहू (40) महानदी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का संचालन करती है। यह कंपनी खाद, बीज और दवा किसानों को बेचती है। रायगढ़ के डूमरपाली निवासी रंजीत चौहान (29) और सुदीप मंडल (40) से अनिता की पहचान सुनील कश्यप, अभिषेक देवांगन, छवि बंजारे, मनहरन पटेल और सुरेश वानी के माध्यम से हुआ। तब रंजीत चौहान ने कहा कि, आपका रजिस्टर्ड कंपनी है। मैं आपके कम्पनी को नाबार्ड योजना से 6 करोड़ का प्रोजेक्ट एक महीने के भीतर दिला दूंगा। रंजित ने अनिता से कहा कि, इसके लिए 50 लाख रुपए असीम कृपा फाउन्डेशन बोईरदादर के नाम पर जमा करना होगा। अनिता को उस पर यकीन नहीं हुआ और उसने पैसे जमा करने से इनकार कर दिया। ऐसे में रंजित ने उसे झांसे में लेने के लिए 50 लाख रुपए का फर्जी चेक 15 नवंबर 2025 को पिछला तारीख का डालकर दिया। इससे अनिता ने उस पर विश्वास कर लिया। इस दौरान, अनिता को पता चला कि रंजित चौहान और सुदीप मंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जब अनिता ने उनसे संपर्क किया, तो रंजित ने एफआईआर की बातों को गलत बताया।

महिलाएं समाज की धुरी हैं, समाज की दिशा महिलाएं ही निर्धारित करती हैं: विधायक रायमुनी भगत

जशपुरनगर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को महतारी सम्मेलन का आयोजन जशपुरनगर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में किया गया। इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस महतारी सम्मेलन में आयी महिलाओं को स्थानीय सादरी भाषा में संबोधित करते हुए विधायक रायमुनी भगत ने कहा कि नारी इस सृष्टि की रचियता है, वह दुर्गा भी है रणचंडी भी है, शिशु को गर्भ में धारण कर विश्व निर्मात्री शक्ति भी है। नारी इस जगत की आधी जनसंख्या का नेतृत्व भी करती है। आज देश के राष्ट्रपति पद से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक महिलाएं प्रतिनिधित्व कर समाज में अहम भूमिका निभा रहीं हैं। इस नारी शक्ति के सम्मान के लिए शासन द्वारा अपने वादे को पूरा करते हुए महतारी वंदन योजना प्रारम्भ कर हर महिला को एक हजार रुपये प्रदान किये जा रहे हैं। पहले राशन से लेकर हर चीज के लिए लोगों बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, शासन द्वारा महिलाओं के हित के लिए निःशुल्क राशन वितरण, सुकन्या समृद्धि योजना आदि योजनाओं का संचालन कर महिलाओं को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है। पहले कई ऐसे जनजातीय ग्राम थे जहां सड़कें तक नहीं थी, अब पीएम जनमन योजना से वहां बारहमासी सड़कें बन गयी हैं। विशेषकर पाट क्षेत्रों के विकास हेतु करोड़ों रुपयों से सड़क परियोजनाओं को विस्तार का कार्य किया जा रहा है। पहले स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ नहीं हो पाती थी, स्वास्थ्य खराब होने पर बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, अब जिले में मेडिकल कॉलेज सहित स्वास्थ्य के कई संस्थान खुलने जा रहा हैं जिनसे लोगों को सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने मातृ शक्ति का वंदन करते हुए कहा कि महिला समाज की धुरी होती है, समाज की दिशा और दशा निर्धारित करती है, महिलाएं ठान ले तो समाज की सभी बुराईयों को दूर कर सकतीं हैं। वर्तमान में समाज में नशे के प्रभाव में छोटे छोटे बच्चे भी आ रहे हैं, ऐसे में महिलाओं को अपने संस्कारों से बच्चों को नशे से दूर रखना होगा ताकि परिवार और युवा समाज को सशक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा किया जा सके। समाज से बाल विवाह, कुपोषण को भी दूर कर हमें समाज को सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव ने छत्तीसगढ़ के रजत महोत्सव पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं, हमें अपनी गौरवशाली परंपरा और इतिहास को साथ में रखते कर विकास करते हुए विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना है। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत ने कहा कि हमारा राज्य अभी 25 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। यह अभी एक युवा राज्य है, यह अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पारम्परिक एवं मानव संसाधनों से परिपूर्ण है। यह राज्य लगातार विकसित होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। यहां के लोगों को सशक्त बनाने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। यहां की मातृ शक्ति को भी सशक्त बनाने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं जैसे महतारी वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि का संचालन किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि महिलाएं आज खेल हो या विज्ञान या राजनीति या प्रशासन हर क्षेत्र में आगे आकर अपना परचम लहरा रहीं हैं।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने सभी महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया शासन द्वारा पीएम जनमन योजनांन्तर्गत महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नए सर्व सुविधायुक्त आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे महिलाओं को सुविधा प्राप्त होगी। इस दौरान एसडीएम विश्वास राव मस्के ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में राज्य निर्माण में अपना योगदान देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी सहित पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री स्व. दिलीप सिंह जूदेव सहित सभी लोगों के योगदान को याद किया।

शिकारी पकड़ना दूर, बाघ की पहचान नहीं कर पाए अफसर; 1 पंजा काटकर ले गए शिकारी, पीसीसीएफ हॉफ ने जांच पर उठाए सवाल

नर्मदापुरम, एजेंसी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और वन विकास निगम की सीमा के बीच तवा नदी के बैकवॉटर में शुक्रवार को शिकार हुआ टाइगर मृत हालत में मिला। बाघ की उम्र करीब 12-13 साल बताई जा रही है। तीन दिन बाद भी उसकी पहचान नहीं हो पाई है। शिकारियों को पकड़ना तो दूर, अफसर अब तक यह भी तय नहीं कर पाए हैं कि बाघ किस क्षेत्र का था। तवा नदी में मिले मृत बाघ के शिकारियों को खोजने के लिए एसटीआर की टीम के अलावा रातापानी टाइगर रिजर्व और छिंदवाड़ा से एक-एक डॉग लगाया गया है। शनिवार को सुबह से शाम तक तीनों डॉग, टाइगर स्ट्राइक फोर्स, एसटीआर, सामान्य वन मंडल और वन विकास निगम का अमला बढ़ चापड़ा समेत आसपास शिकारियों और बाघ के कटे पंजे की खोजबीन में लगा रहा।

बुजुर्ग मेल टाइगर, पहचान पर उलझन : पहले दिन टीम को कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी। शिकार हुआ बाघ एसटीआर का था या टेरिटोरियल जंगल का, यह एसटीआर और वन विभाग के जिम्मेदार अफसर नहीं बता पा रहे हैं। टाइगर की पहचान तक अफसर स्पष्ट नहीं कर पा रहे। शिकार हुआ टाइगर करीब 12-13 साल का था। उसकी लंबाई करीब 7 फीट से ज्यादा थी और वह काफी बुजुर्ग था। फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि शिकारियों की सर्चिंग के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। एसटीआर के अलावा दो और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि मेल टाइगर की उम्र करीब 12-13 साल है, लेकिन उसकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बाघ के शिकार का नाम सुनते ही अफसर ने कट किया कॉल : तवा नदी के बैकवॉटर में बढ़ चापड़ा के पास जहां बाघ का शव मिला, वह वन विकास निगम की सीमा में आता है। इसे लेकर वन विकास निगम के अफसर राम अवधिया को कॉल कर बाघ की पहचान जाननी चाही, तो उन्होंने नाम सुनते ही किसी भी प्रकार की जानकारी देने के बजाय सीधे कॉल कट कर दिया। इससे साफ है कि अधिकारी बाघ की मौत की जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं। वन विकास निगम की जमीन से शिकारी घुसपैठ कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक मछुआरे, लकड़ी तस्कर और शिकारी इसी जगह से बफर और कोर जोन के जंगल में घुसते हैं। लेकिन अधिकारी अपनी जमीन की सुरक्षा और मॉनिटरिंग नहीं कर पा रहे।

क्लच वायर से फंदा डालकर किया शिकार, फिर पंजा काटा : एसटीआर की सीमा से लगे बढ़ चापड़ा के पास तवा नदी के बैकवॉटर में शुक्रवार को गश्ती टीम को बाघ मृत हालत में मिला था। शिकारियों ने बाघ के गले में क्लच वायर का फंदा डालकर शिकार किया। फिर बाघ के सीधे पैर का पंजा काटकर ले गए। गश्ती टीम को शव मिलने और शिकार की जानकारी के बाद हड़कंप मच गया। एसटीआर क्षेत्र संचालक राखी नंदा, डीएफओ मयंक गुर्जर, बोरी अधीक्षक विनोद वर्मा सहित विभागीय अधिकारियों का दल घटनास्थल पर पहुंचा। जांच-पड़ताल और पोस्टमार्टम हुआ। बाघ का एक पैर वाला हिस्सा कटा था और पंजा गायब था। रात 9 बजे हिरण चापड़ा नर्सरी में मृत बाघ को जलाया गया।

पेड़ पर बांधा था फंदा, एक्टिव मोबाइल की सर्चिंग : बाघ के शिकार के लिए शिकारियों ने पेड़ पर फंदा बांधा था। जैसे ही बाघ का मुंह फंदे में गया, वैसे ही फंदा पेड़ पर खिंच गया। इसके बाद शिकारियों ने धारदार हथियार से उसका पंजा काटा। हालांकि अफसरों का यह तर्क है कि मक्के की फसल को जंगली सुअर नुकसान पहुंचाते है, सुअरों को पकड़ने के लिए फंदा लगाया गया था, जिसमें फंस टाइगर गया। शिकारियों को पकड़ने मौके पर एक्टिव मोबाइल नंबर की जांच विभाग कर रहा है, ताकि साफ हो सके कि जंगल में उस समय किस-किस के फोन एक्टिव थे।

उज्जैन में सड़क पर नीलगाय आने से एंबुलेंस पलटी, हादसे के दौरान गर्भवती ने दिया बच्चे को जन्म; राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन जिले के घट्टिया तहसील के ग्राम बिछड़ोद से शनिवार रात गर्भवती महिला को प्रसूति के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। इस दौरान रास्ते में अचानक नीलगाय आ जाने से एम्बुलेंस असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में झटका लगने के कारण गर्भवती महिला की मौके पर ही डिलीवरी हो गई। आशा कार्यकर्ता की मदद से प्रसव कराया गया और बाद में राहगीरों की सहायता से प्रसूता और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घट्टिया पहुंचाया गया। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। जानकारी के मुताबिक, बिछड़ोद निवासी किरण पति शुभम बरगंड़ा (24) को शनिवार रात करीब 11:30 बजे एम्बुलेंस से घट्टिया स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा था। नजरपुरड्डबिछड़ोद के बीच गडरौली फंटा के पास अचानक नीलगाय आने से एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। वाहन में उस समय गर्भवती महिला के साथ उसकी मां और आशा कार्यकर्ता भी मौजूद थीं। हादसे के बाद आशा कार्यकर्ता ने मौके पर ही प्रसव कराया। राहगीरों की मदद से मां और नवजात को दूसरी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घटना की सूचना मिलते ही बीएमओ डॉ. अनुज शाल्य ने डॉ. प्रियांक चौहान को अस्पताल में आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। यहां दोनों का उपचार किया गया और डॉक्टरों ने बताया कि प्रसूता और बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हैं। हादसे में गर्भवती की मां घायल हुई थी, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रविवार सुबह उज्जैन रेफर किया गया। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य मौजूद न होने से प्रसूता और नवजात को भी मां के साथ चरक अस्पताल भेजा गया।

कार की टक्कर से उछलकर गिरा बाइकसवार, हड्डी चकनाचूर- खंडवा में एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति इंदौर रेफर, हादसे का वीडियो सामने आया

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार व्यक्ति उछलकर नीचे गिरा, उसके पैर की हड्डी टूटकर चकनाचूर हो गई। घायल को इंदौर रेफर किया गया है। घटना शुक्रवार रात शहर के नवचंडी मंदिर क्षेत्र में हुई। हादसे का वीडियो सामने आया है। हादसा इतना भयावह था कि तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार उछलकर नीचे गिर गया। घायल व्यक्ति के पैर की हड्डी चकनाचूर हो गई। जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। घटना एक सुपर मार्केट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं।

प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करता है व्यक्ति : ाकुन नगर निवासी अभिषेक पिता मांगीलाल मालवीया रात 10 बजे के करीब अपने घर लौट रहे हैं। वे एक प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करते हैं। नवचंडी मंदिर होकर शकुन नगर जा रहे थे। तभी एक सुपर मार्केट के पास टर्न लेने के दौरान हादसा हो गया। कार वाला आनंद नगर से गुर्जर हास्पिटल की तरफ जा रहा था। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मेन रोड पर आते ही उछाल दिया। उज्जैन से रिश्तेदार के यहां आया था कार चालक कार उज्जैन की है, एक व्यक्ति खंडवा में अपने रिश्तेदार के घर आए हुए थे। हालांकि हादसे के बाद कार वाले ने ही घायल अभिषेक को जिला अस्पताल पहुंचाया।

रायसेन में झूलेलाल चालीसा पर्व पर निकला चल समारोह: सिंधी समाज के लोगों ने धूमधाम से किया पर्व का समापन

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में सिंधी समाज द्वारा अपने आराध्य देव भगवान झूलेलाल के चालीसा पर्व का समापन रविवार को बड़े उत्साह के साथ किया गया। सुबह 8 बजे महाआरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समाज के महिला-पुरुष और बच्चे भारी संख्या में गुरुद्वारे में एकत्र हुए और श्रद्धा के साथ भगवान झूलेलाल की आरती की। महाआरती के बाद सुबह 9 बजे बहराणा साहिब का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुखर्जी नगर स्थित गुरुद्वारे को विशेष रूप से सजाया गया था। जगह-जगह फूलों और रोशनी से सजावट कर धार्मिक वातावरण बनाया गया। समाज के लोगों ने झूलेलाल के जयकारे लगाए और पूरे उत्साह के साथ इस पर्व में हिस्सा लिया।

चल समारोह में उमड़ी भारी भीड़ : आरती और बहराणा साहिब के बाद चल समारोह का आयोजन हुआ। इसमें सबसे आगे एक सजे हुए रथ पर भगवान झूलेलाल की तस्वीर स्थापित की गई। समाज के लोग डीजे की धुन पर धार्मिक भजनों के साथ नाचते-गाते चल रहे थे। जुलूस गुरुद्वारे से शुरू होकर सागर रोड के आदर्श कन्या स्कूल के सामने से होते हुए सागर तिराहे पहुंचा। सागर तिराहे पर चल समारोह का स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा की गई।

30 करोड़ की एफडीआर तकनीक वाली सड़क खस्ताहाल, दो साल में ही गड्ढों में बदली, 10 साल की गारंटी थी; लगातार हो रहे हादसे

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में प्रदेश की पहली एफडीआर तकनीक से बनी सीहोर-श्यामपुर सड़क दो साल में ही खराब हो गई है। 30 करोड़ की लागत से बनी 24 किलोमीटर लंबी सड़क में जगह-जगह सैकड़ों गड्ढे हो गए हैं। विभाग का दावा था कि यह सड़क दस साल तक दुरुस्त रहेगी। 2023 में तैयार हुई इस सड़क का बारिश से पहले पेचवर्क कराया गया था, लेकिन घटिया निर्माण के चलते वह भी उखड़ गया। इससे रोजाना यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

यात्रियों और किसानों को सबसे ज्यादा दिक्कत : यह सड़क जयपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे से जुड़ती है। कुरावर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़, गुना-ग्वालियर और राजस्थान जाने वाले यात्री इसी मार्ग से गुजरते हैं। सीहोर मंडी क्षेत्र से बिजोरी गांव तक सड़क की हालत सबसे ज्यादा खराब है। किसान, छात्र और सैकड़ों गांवों के लोग गड्ढों वाली सड़क से गुजरने को मजबूर हैं।

हादसों का खतरा बढ़ा : गड्ढों की वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं। रोजाना सफर करने वालों ने कहा कि सड़क की स्थिति दिन-ब-दिन और खराब होती जा रही है।

विभाग ने दिया आश्वासन : एमपीआरडीसी की जीएम सोनल सिन्हा ने बताया कि फिलहाल पेवर ब्लॉक से गड्ढे भरे जाएंगे। बारिश खत्म होने के बाद सड़क का डामरीकरण किया जाएगा।

12 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी, युवक की दबकर मौत; बुरहानपुर में सड़कों पर गड्ढे से बैलेंस बिगड़ा

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में 12 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा को ले जाते समय हादसा हो गया। सड़कों पर गड्ढों की वजह से प्रतिमा नीचे गिर गई। इसके नीचे दबने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना लालबाग रोड पर तुलसी मॉल के पास शनिवार रात करीब 9 बजे की है। मृतक की पहचान शशांक जोशी (26) के रूप में हुई। वह खंडवा का रहने वाला था। हाटकेश्वर गणेश मंडल के लोगों के साथ बुरहानपुर प्रतिमा लेने आया हुआ था। घटना से आहत शशांक के साथ आया युवक भी बेहोश हो गया। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सड़क के गड्ढों को जिम्मेदार ठहराया: प्रतिमा सम्राट मौर्य आर्ट, लालबाग से नाई आवार खंडवा ले जाई जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। सीएसपी गौरव पाटिल के नेतृत्व में पुलिस पहुंची। हिंदू महासभा प्रवक्ता ओम आजाद ने प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कमिश्नर और महापौर से शहर की सड़कों के गड्ढे भरने की मांग की। कांग्रेस ने नेता अजय सिंह रघुवंशी ने कहा- शहर में गड्ढे ही गड्ढे हैं। युवक साइड से चल रहा था। अन्य कोई घायल नहीं हुआ। शहर के गड्ढे भरे जाने चाहिए।

निजी अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हुई : हादसे की सूचना मिलने पर लोग, जनप्रतिनिधि निजी अस्पताल पहुंचे। एएसपी एएस कनेश, एडीएम वीर सिंह चौहान भी मौके पर पहूंचे। लोगों से चर्चा कर स्थिति को संभाला। एएसपी अंतर सिंह कनेश ने कहा कि- आज लालबाग रोड पर लोग ज्यादा होने के कारण हादसा हुआ।

ग्रतलाम में अभिभाषक संघ के चुनाव : अध्यक्ष पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में; कल आएंगे परिणाम

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में अभिभाषक संघ चुनाव के लिए शनिवार को वोटिंग हुई। शाम 5 बजे तक 748 मतदाताओं में से 672 मतदान किया। पहली बार सभी प्रत्याशियों के ब्लैक एंड व्हाइट फोटो के साथ बैलेट पेपर तैयार किए गए। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए 2 पूर्व अध्यक्ष समेत 4 प्रत्याशी मैदान में हैं। उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय सचिव व 9 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए भी चुनाव में वोटिंग हुई। मतदान की प्रक्रिया कोर्ट परिसर के हॉल में चली। अध्यक्ष पद के लिए पूर्व अध्यक्ष सुनील लाखोटिया, दशरथ पाटीदार के साथ विमल छिपानी और राकेश शर्मा भी मैदान में है। सुनील लाखोटिया 2012 और दशरथ पाटीदार 2019 में अध्यक्ष बन चुके हैं। विमल छिपानी 3 बार अध्यक्ष का चुनाव नजदीकी अंतर से हारे हैं। राकेश शर्मा पहली अध्यक्ष पद के लिए मैदान में है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आशुतोष अवस्थी ने बताया 748 मतदाता है। शाम 5 बजे तक 672 ने मतदान किया।

कल आएंगे परिणाम : मतगणना रविवार सुबह 8 बजे से नए अभिभाषक हॉल में होगी। पहले कार्यकारिणी सदस्यों के वोट की गिनती होगी। आखिरी में अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों के वोट गिने जाएंगे। रविवार देर शाम तक परिणाम आएंगे।

यह है उम्मीदवार

▸▸ अध्यक्ष के लिए सुनील लाखोटिया, दशरथ पाटीदार, विमल छिपानी, राकेश शर्मा।

▸▸ उपाध्यक्ष के लिए भंवरसिंह हाड़ा, श्रवण कुमार यादव, सुनील जैन, नरेंद्रसिंह चौहान।

▸▸ सचिव के लिए तेजकुमार चौधरी, चेतन केलवा, पंडित हेमंत शर्मा।

▸▸ सह सचिव के लिए अजयसिंह चंद्रावत, विकास सोनी, शंकर गुर्जर, वीरेंद्र कुलकर्णी।

▸▸ कोषाध्यक्ष के लिए राजेंद्रसिंह पंवार, रविकुमार जैन, मनीष महावर।

▸▸ पुस्तकालय सचिव के लिए सुनीता वासनवाल, विजय नागदिया।

▸▸ कार्यकारिणी सदस्य के लिए नवीन डामोर, सोमेश वर्मा, कमलेश भंडारी, ईश्वरलाल महावर, सतीष वर्मा, मनीष गौसर, रीना चौहान (जैन), मदनलाल ▸▸ सोलंकी, दिव्या शर्मा, अशरार हुसैन, भूपेंद्र देवराजसिंह पंवार, अनिल वर्मा, आनंद बैरागी, यशपाल कुमार, कैथवास, राहुल डामर।

छतरपुर में 200 साल पुराना रियासत कालीन महल ढहा: इमारत में 2 स्कूल होते थे संचालित, प्रशासन ने किया खाली

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में तहसील के पास 200 साल पुराने रियासत कालीन महल का एक हिस्सा गिर गया। यह घटना शनिवार सुबह 6:55 बजे हुई। बरसात के कारण इमारत कमजोर हो गई थी। हादसे में आसपास के कई भवन भी क्षतिग्रस्त हुए। किसी को चोट नहीं आई। महल में लाल बहादुर शास्त्री स्कूल और बुंदेलखंड स्कूल चल रहे थे। दोनों स्कूल सुबह 7:30 बजे खुलते थे। इमारत का हिस्सा गिरने से पहले ही स्कूल खुलने वाला था। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

दोनों स्कूलों को खाली किया गया : सूचना मिलने पर एसडीएम अखिल राठौर और सीएसपी अरुण कुमार सोनी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने तुरंत दोनों स्कूल खाली करवा दिए। स्कूलों को अन्य जगह स्थानांतरित करने के आदेश दिए गए। एसडीएम ने कहा, अगर स्कूल प्रबंधन ऐसा नहीं करता, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। प्रत्यक्षदर्शी लखन दुबे ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण जर्जर इमारत में स्कूल चल रहे थे। एसडीएम ने नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी को इमारत गिराने और सुरक्षा के उपाय करने के निर्देश दिए। इमारत की स्थिति को देखकर आसपास के लोग डर और चिंता में हैं। अब प्रशासन इसे पूरी तरह गिराएगा।

सागर के बंडा उप डाकघर में पिता से धोखाधड़ी, आधार सुधार कराने आए शख्स से युवक ने 300 रुपए लेकर खुद को चौकीदार बताया और फरार

सागर, एजेंसी। सागर के बंडा उप डाकघर में आधार कार्ड सुधार कराने आए मजदूर राजू बंसल से धोखाधड़ी का मामला सामने आया। डाकघर के गेट पर बैठे युवक ने खुद को चौकीदार बताकर 300 रुपए लिए और आधे घंटे में आधार सुधार कराने का झांसा देकर अंदर जाकर फरार हो गया। पीड़ित ने अभी थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। तालाब रोड से होते हुए जुलूस मंदिर परिसर में पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। श्रद्धालु इस दौरान पूरे उत्साह और आस्था से भरे नजर आए। समापन के बाद दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें समाज के सभी सदस्यों और श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई है। ग्राम हनौता सहावन निवासी राजू बंसल पत्नी और दो बेटियों के साथ आधार कार्ड में सुधार कराने शनिवार को बंडा उप डाकघर पहुंचे थे। गेट पर युवक मिला जिसने कहा- मैं यहां का चौकीदार हूं, 300 रुपए दो, आधे घंटे में आधार सुधार कर दूंगा। राजू ने पैसे दे दिए, लेकिन युवक अंदर जाकर वापस नहीं लौटा।

पैसे लेकर गायब हुआ युवक : काफी देर इंतजार करने पर राजू ने डाकघर के कर्मचारियों से पूछा तो पता चला कि ऐसा कोई चौकीदार वहां काम ही नहीं करता। युवक के गायब होने के बाद राजू को धोखाधड़ी का एहसास हुआ और वह परिवार के साथ बिना काम कराए वापस लौट गया।

मजदूरी कर जोड़े थे पैसे: राजू बंसल ने बताया कि वह मजदूरी करता है और अपनी बेटियों के आधार सुधार के लिए मेहनत से जोड़े हुए 300 रुपए जमा किए थे। अब पैसे नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि गांव लौटकर दोबारा मजदूरी करनी होगी, तब जाकर आधार कार्ड का सुधार कराया जा सकेगा।

घटनास्थल के दूसरी ओर एसटीआर का कैंप : तवा नदी में जिस जगह बाघ का शव मिला है, नदी के एक तरफ बढ़ चापड़ा वन विकास निगम का क्षेत्र और दूसरी तरफ एसटीआर के चूरना रेंज का कोर क्षेत्र है। नदी के इस बैकवॉटर क्षेत्र में मछली मारने के लिए कई मछुआरे सक्रिय रहते हैं। लकड़ी तस्कर भी इसी जगह से घुसपैठ करते हैं। कोर क्षेत्र में नदी किनारे चूरना का बढ़ चापड़ा कैंप भी है, जहां ड्यूटी पर कर्मचारी रहते हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट अजय दुबे ने टाइगर के शिकार को लेकर सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसी जगह के आसपास दो माह पहले एसटीआर के लापता चौकीदार का शव मिला था और अब यहां शिकार हुआ बाघ मिला है। दो दिन पहले भी गिरी थी प्रतिमा बता दें कि दो दिन पहले इच्छापुर रोड पर भी खराब सड़क के कारण गणेश प्रतिमा गिरने की घटना हुई थी। उसके बाद प्रशासन ने पेचवर्क शुरू किया था। शनिवार को सिंधी बस्ती क्षेत्र में मरम्मत का काम हुआ और शाम को शांति समिति की बैठक में कलेक्टर ने अफसरों को सड़क दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। घायल अभिषेक के दोस्त स्वरूपचंद लाड़ निवासी तुलसी स्टेट ने बताया कि अभिषेक (45) के परिवार में पत्नी और 14 वर्षीय बेटा हैं। अभिषेक के पैर में घुटने से नीचे वाली हड्डी चकनाचूर हो गई हैं। उसे इंदौर एमवाय अस्पताल के लिए रेफर किया हैं। आरोपी कार ड्राइवर ने इंदौर तक ले जाने में मदद की हैं। वह लापरवाही पूर्वक कार चला रहा था। जैसे कि सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहा हैं कि कार तेज रफ्तार में थी।

झिरन्या में सोयाबीन फसल पर पीला मोजेक का प्रकोप:100 एकड़ में फैला संक्रमण, किसान ने 8 एकड़ फसल पर चलाया रोटावेटर

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के झिरन्या क्षेत्र में किसान सोयाबीन की फसल खराब होने से परेशान हैं। फसल में पीला मोजेक वायरस के कारण पौधे सड़ने लगे हैं। फसलों में बीमारी फैलने पर किसान खुद अपनी फसल को नष्ट कर रहे हैं। डेहरिया गांव में किसान चमार सिंह तड़ोले ने भी खेत में जुताई कर फसल नष्ट कर दी। तड़ोले ने 8 एकड़ जमीन किराए पर ली थी, जिसमें सोयाबीन की फसल लगाई थी।

इन इलाकों में भी असर : क्षेत्र में डेहरिया के साथ मारुगढ़, शाहपुरा, चैनपुर, राजपुरा सहित आसपास के कई गांवों में यह समस्या फैली हुई है। अनुमान के मुताबिक 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फसल को नुकसान पहुंचा है।

किसानों ने की मुआवजे की मांग : कृषि विस्तार अधिकारी बीएल डावर और आयुषी गंगराड़े के अनुसार पोटेशियम की कमी और पीला मोजेक वायरस के कारण फसल पीली पड़कर खराब होती है। प्रभावित किसानों ने फसल का सर्वे कर मुआवजे की मांग की है।

बीसीसीआई, गौतम गंभीर समेत पूर्व दिग्गजों ने दी चेतेश्वर पुजारा को शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई

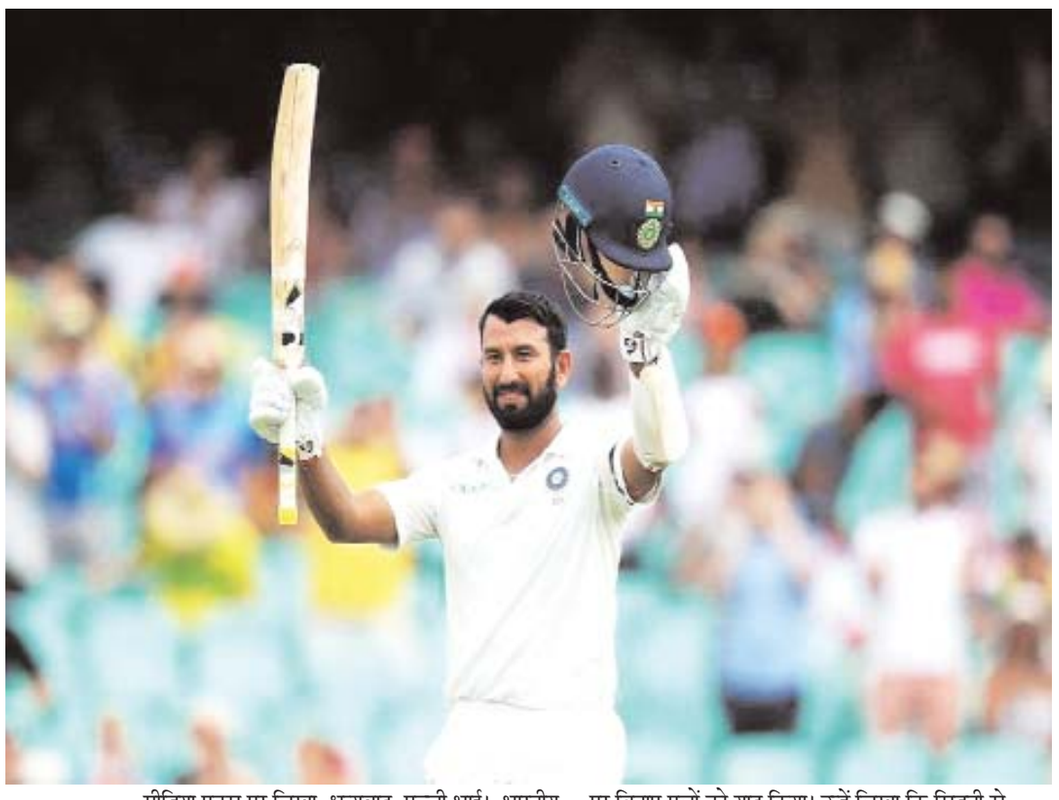

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से सन्यांस ले लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर क्रिकेट को अलविदा कहा। उनके सन्यांस पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने पुजारा को शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई दी है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 103 टेस्ट, 7195 रन, 16217 गेंदों का सामना, 19 शतक और 35 अर्धशतक। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे साहसी और बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक चेतेश्वर पुजारा - शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई और आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पुजारा को उनके क्रिकेट करियर के लिए बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, जब तूफान आया, तब वे डटे रहे, जब उम्मीदें धूमिल हो रही थीं, तब उन्होंने संघर्ष किया। बधाई हो, पुज्जी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने पुजारा के संन्यास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा। धन्यवाद, पुज्जी भाई। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पुजारा के साथ मैदान पर बिताए पलों को याद किया। उन्हें लिखा कि सिडनी से लेकर गाबा तक मेरी कुछ बेहतरीन यादें आपके साथ बल्लेबाजी करते हुए जुड़ी हैं। मैं हमारी साझेदारियों और भारतीय क्रिकेट में आपके योगदान को हमेशा संजो कर रखूंगा। पुज्जी भाई, आपके शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई और आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने लिखा, शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर पुजारा। आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व हो सकता है। एक यादगार दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं। पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने लिखा, एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने हमेशा देश के लिए अपना तन, मन और आत्मा समर्पित कर दिया। आपके शानदार करियर के लिए ढेरों बधाई पूजी। फिर मिलेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने लिखा, बधाई हो भाई चेतेश्वर पुजारा। शानदार करियर के लिए आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं। शानदार रिकॉर्डचेतेश्वर पुजारा का टेस्ट में करियर बेहद शानदार रहा। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाए। टेस्ट में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 206 रन है। पुजारा ने भारत के लिए पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेले, जिसमें उन्होंने 51 रन बनाए। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 278 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 21,301 रन बनाए। उनके नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 66 शतक और 81 अर्धशतक दर्ज हैं।

एशिया कप 2025 के लिए अफगानिस्तान ने की 17 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने अगले महीने से शुरु हो रहे एशिया कप 2025 के लिए रविवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान स्टार खिलाड़ी राशिद खान को सौंपी गई है।एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय स्क्वाड में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई जैसे स्टार ऑलराउंडर और नूर अहमद, कप्तान राशिद खान तथा मुजीब उर रहमान की स्पिन गेंदबाजी टीम को मजबूती प्रदान करेगी। तेज गेंदबाजों में नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी और फरीद मलिक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम की बल्लेबाजी भी काफी मजबूत दिख रही है। एशिया कप से पहले अफगानिस्तान की टीम 29 अगस्त से शारजाह (संयुक्त अरब अमीरात) में शुरू होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में यूएई और पाकिस्तान के साथ खेलेगी। इसमें अफगानिस्तान द्वारा पहले घोषित 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम के अधिकांश खिलाड़ी शामिल होंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में अपने पहले मुकाबले में 9 सितंबर को हांगकांग, चीन से भिड़ेगी। एशिया कप के लिए अफगानिस्तान टीम - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

रिजर्व खिलाड़ी:वफीउल्लाह ताराखिल, नांग्याल खारोटे, अब्दुल्ला अहमदजई: एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी और फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को 4-4 के 2 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, यूएई, ओमान और पाकिस्तान की टीमें हैं, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम हैं।

हीरो एशिया कप 2025 के लिए भारत पहुंची जापानी हॉकी टीम

राजगीर, एजेंसी। बिहार के राजगीर में हो रहे प्रतिष्ठित हीरो एशिया कप 2025 के लिए जापान की पुरुष हॉकी टीम शनिवार देर रात यहां पहुंच गई। जापान की टीम टूर्नामेंट के इतिहास में पांच बार चौथे स्थान पर रही है, लेकिन अभी तक पोडियम पर जगह नहीं बना पाई है। एफआईएच विश्व रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज जापान को मेजबान भारत, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को कजाकिस्तान के खिलाफ करेंगे और उसके बाद 31 अगस्त को मेजबान भारत से भिड़ेंगे, जो एक बेहद रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। अपने अंतिम पूल मैच में जापान की टीम एक सितंबर को चीन से भिड़ेगी। हॉकी इंडिया की ओर से रविवार को जारी बयान में जापान टीम के कप्तान राइकी फुजीशिमा ने कहा कि हम इस शहर में अपने पहले टूर्नामेंट के लिए यहां आकर बेहद उत्साहित हैं। हमारा मुख्य लक्ष्य एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है और इसके लिए हम पूरी ताकत से खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीम पूरे टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और शीर्ष स्तरीय हॉकी का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमारी सबसे कड़ी परीक्षा भारत के खिलाफ होगी। वे इस प्रतियोगिता में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ पर फीफा के निलंबन का खतरा मंडरा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल एक बड़ी मुसीबत की ओर बढ़ रहा है और खेल की सर्वोच्च नियामक संस्था फीफा द्वारा देश को निलंबित किया जा सकता है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नए संविधान के कार्यान्वयन में देरी और फुटबॉल सत्र की पुनः शुरुआत में अचानक रुकावट ने फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ, दोनों के शीर्ष अधिकारियों को नाराज कर दिया है। एएफसी पहले ही कह चुका है कि वे कार्यवाही पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। संविधान का मुद्दा 2022 से अदालत में है और फीफा अधिकारियों को कई आश्वासन देने के बावजूद, एआईएफएफ ने नया संविधान नहीं अपनाया है।

इसके अलावा, अप्रैल में एआईएफएफ को निर्णय लेने से रोकने वाले सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्देश के कारण, मास्टर्स राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के संबंध में उनके और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के बीच चर्चा पूरी तरह से रुक गई, जो दिसंबर में समाप्त हो रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने एआईएफएफ और एफएसडीएल को लीग आयोजित करने के लिए समझौता करने हेतु 28 अगस्त तक का समय दिया है। लेकिन संविधान के कार्यान्वयन में एक और देरी भारत को नुकसान पहुँचा सकती है। एएफसी के एक सूत्र ने द मीडिया को बताया कि भारत को निलंबित किया जा सकता है।

संविधान के कार्यान्वयन में देरी और फुटबॉल संचालन के पूर्ण बंद होने से किसी को कोई फायदा नहीं हो रहा है। आज की स्थिति को देखते हुए, मुझे आश्चर्य नहीं होगा यदि फीफा कड़ा रुख अपनाते हुए एआईएफएफ को निलंबित कर दे। उन्होंने 2022 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए उन्हें निलंबित कर दिया था, कुआलालंपुर के एक एएफसी अधिकारी ने कहा। फीफा ने 16 अगस्त, 2022 को एआईएफएफ पर तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव के कारण प्रतिबंध लगा दिया था।

एशिया कप में एक विकेट लेते ही इतिहास रचेंगे अर्शदीप, 19 साल में ऐसा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। एशिया कप टी20 2025 का आगाज नौ सितंबर से होने जा रहा है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से करेगी। वहीं, 14 सितंबर को भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से और 19 सितंबर को ओमान से होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक खास मुकाम हासिल करना चाहेंगे। उनके पास 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बनने का मौका है। भारत ने दिसंबर 2006 में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था। तब से अब तक कई भारतीय गेंदबाज छोटे फॉर्मेट में चमके, लेकिन कोई भी 100 विकेट का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। अब अर्शदीप इस मील के पत्थर से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। एशिया कप टी20 में उन्हें जैसे ही एक विकेट मिलेगा, वे भारत के पहले ऐसे गेंदबाज बन जाएंगे जिन्होंने 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे किए हों।

अर्शदीप के झ20ढ्ढ के आंकड़े शानदार : अर्शदीप के अब तक के आंकड़े शानदार हैं। उन्होंने 2022 में डेब्यू के बाद केवल 63 मैचों में 99 विकेट झटके हैं। उनका औसत 18.30 और स्ट्राइक रेट 13.23 का है, जो उन्हें दुनिया के टॉप-लेवल स्ट्राइक गेंदबाजों में शामिल करता है। बेस्ट बॉलिंग फिगर नौ रन देकर चार विकेट रहा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका इकोनॉमी रेट 8.29 का रहा है। उनके बाद युजवेंद्र चहल भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। चहल ने 96 विकेट लिए हैं, लेकिन वह पिछले काफी समय से टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेल पाए हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या के पास भी 100 विकेट पूरे करने का मौका है।

हार्दिक के नाम 114 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 94 विकेट हैं। 16 रन देकर चार विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। हार्दिक का इकोनॉमी रेट 8.20 का है। बुमराह 89 विकेट के साथ लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं। अर्शदीप ने महज तीन साल में वह मुकाम हासिल कर लिया है, जहां बाकी दिग्गज गेंदबाज लंबे करियर के बाद भी नहीं पहुंच पाए। अर्शदीप के 100 विकेट पूरे होते ही वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23वें ऐसे गेंदबाज बन जाएंगे जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की हो। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज टिम साउदी के नाम है।

जब बदकिस्मती का शिकार हुए दिग्गज बल्लेबाज ! वनडे में 99 रन पर रन-आउट होने वाले पांच बैटर

नई दिल्ली , एजेंसी। क्रिकेट में शतक से चूकना किसी भी बल्लेबाज के लिए कड़वा अनुभव होता है, लेकिन जब कोई खिलाड़ी महज एक रन की दूरी पर रन-आउट हो जाए, तो यह और भी दर्दनाक पल बन जाता है। क्रिकेट में 99 रन पर आउट होने वाले कई दिग्गज खिलाड़ियों का अनुभव बताता है कि खेल में किस्मत का भी बड़ा रोल होता है। आखिरी बार वनडे में 99 रन पर रन आउट की घटना 2007 में घटी थी। तब सचिन तेंदुलकर के साथ ऐसा हुआ था। आइए जानते हैं उन दिग्गज बल्लेबाजों के बारे में, जो 99 रन पर रन-आउट होकर पवेलियन लौटे और क्रिकेट इतिहास में बदकिस्मती का शिकार हुए।

29 नवंबर 2002 को श्रीलंका के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर ग्रीम स्मिथ 99 रन पर रन-आउट हो गए। ओपनिंग में अपनी मजबूती और कप्तानी की समझदारी से पहचाने जाने वाले स्मिथ ने वनडे करियर में लगभग सात हजार रन बनाए। उनका बल्लेबाजी औसत करीब 38 का रहा और उन्होंने 10 शतक और 47 अर्धशतक जड़े। स्मिथ का खेलना सीधा-सादा था, लेकिन उनकी स्थिरता ने दक्षिण अफ्रीका को कई जीत दिलाई।

वनडे करियर : 2. सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) 17 जनवरी 2003 को इंग्लैंड के खिलाफ जयसूर्या 99 रन पर रन-आउट हो गए। विस्फोटक शुरुआत देने वाले जयसूर्या ने वनडे क्रिकेट में 13 हजार से ज्यादा रन बनाए। करीब 32 के औसत और 28 शतकों के साथ वे श्रीलंका के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। 90 से ऊपर का उनका स्ट्राइक रेट दर्शाता है कि उन्होंने पारंपरिक ओपनिंग को बदलकर आक्रामक क्रिकेट का रास्ता खोला।

3. एडम गिलक्रिस्ट (ऑस्ट्रेलिया)सात मार्च 2003 को श्रीलंका के खिलाफ गिलक्रिस्ट 99 पर रन-आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ने लगभग 9,600 रन वनडे में बनाए। करीब 36 के औसत और 16 शतकों के साथ वे हमेशा टीम को तेज शुरुआत देते रहे। उनका स्ट्राइक रेट 97 के आसपास रहा, जो बताता है कि वे हर गेंदबाज पर दबाव बनाने में माहिर थे। वनडे करियर

पांच अगस्त 2006 को स्कॉटलैंड के खिलाफ मॉर्गन 99 रन पर रन-आउट हुए। तब वह आयरलैंड के लिए खेल रहे थे।

चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय क्रिकेट से लिया संन्यास, सोशल मीडिया पर लिखा भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट स्पेशलिस्ट कहे जाने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने रविवार को भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में पुजारा ने अपने इस महत्वपूर्ण फैसले की जानकारी दी। 37 साल के पुजारा ने अपने शानदार क्रिकेट करियर को अलविदा करते हुए कहा कि भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना और इसका असली मतलब शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। पूरे आभार के साथ मैंने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

चेतेश्वर पुजारा ने रिटायरमेंट पोस्ट में लिखा कि राजकोट के छोटे से कस्बे से निकलकर भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने का सपना देखा। तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि यह खेल मुझे अमूल्य अवसर, अनुभव, उद्देश्य, प्यार, और सबसे बढ़कर अपने राज्य और महान देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका देगा। पुजारा ने आगे लिखा कि मैं अपने क्रिकेट करियर में मिले अवसर और समर्थन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं उन सभी टीमों, फ्रेंचाइजी और काउंटी टीमों का भी आभारी हूं, जिनका मैं इतने वर्षों में प्रतिनिधित्व कर पाया हूं। मैं अपने गुरुओं, कोचों और मार्गदर्शकों की अमूल्य सीख के बिना यहां तक नहीं पहुंच पाता। मैं उनके प्रति मैं सदैव ऋणी रहूंगा। मेरे सभी साथियों, सहयोगी स्टाफ, नेट बॉलर्स, विश्लेषकों, लॉजिस्टिक्स टीम, अंपायरों, ग्राउंड स्टाफ, स्कोरर, मीडियाकर्मियों और उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद, जो पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करते हैं ताकि हम इस प्यारे खेल में प्रतिस्पर्धा कर सकें और खेल सकें।

पुजारा ने अपने स्पॉन्सर्स, पार्टनर्स और मैनेजमेंट टीम का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सालों तक उन पर भरोसा किया और उनके मैदान के बाहर की गतिविधियों का भी ध्यान रखा। पुजारा ने कहा कि इस खेल ने उन्हें दुनिया भर में घूमने और खेलने का मौका दिया। हर जगह उन्हें फैन्स का भरपूर प्यार और समर्थन मिला। इसके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगे। पुजारा ने कहा कि यह सफर उनके परिवार के बिना संभव नहीं था। उन्होंने माता-पिता, पत्नी पुजा, बेटी अदिति, ससुराल और परिवार के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। पुजारा ने लिखा कि परिवार के त्याग और समर्थन ने उनके इस सफर को सार्थक बनाया। अंत में उन्होंने कहा कि अब वे जीवन के अगले पड़ाव में अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने और उन्हें प्राथमिकता देना चाहते हैं। उन्होंने सभी लोगों को प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

टेस्ट में शानदार रहा रिकॉर्डचेतेश्वर पुजारा का टेस्ट में करियर बेहद शानदार रहा। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाए। टेस्ट में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 206 रन रहा। पुजारा ने भारत के लिए पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेले, जिसमें उन्होंने 51 रन बनाए। साउदी ने 164 विकेट लिए थे। अर्शदीप फिलहाल 26 साल के हैं और उनके पास साउदी से आगे जाने का मौका है। हालांकि, एशिया कप टी20 में जैसे ही वह एक विकेट लेंगे, वे भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिख देंगे।

रीवा जिले में मातृ मृत्यु दर व नवजात शिशु मृत्यु दर को न्यून करने की चुनौती को अवसर के तौर पर लें: उप मुख्यमंत्री

नवजात बच्चों की देखभाल एवं किशोर स्वास्थ्य के संबंध में पंचायतीराज संस्थाओं के सदस्यों की प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मातृ मृत्यु दर व नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने में समन्वित प्रयास आवश्यक है। रीवा जिले में इस चुनौती को अवसर के तौर पर लेना होगा। जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य व महिला बाल विकास के मैदानी अमले के अधिकारी-कर्मचारी लोगों को जागरूक करें तथा मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर को न्यून करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस के तत्वाधान में नवजात बच्चों की देखभाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में पंचायतीराज संस्थाओं के सदस्यों की प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया।

जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के विन्ध्या रिट्रीट होटल मंर आयोजित कार्यशाला में उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में नवजात शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर राष्ट्रीय सूचकांक से अधिक है। इसे कम करने के लिए कृत संकल्पित होना होगा। रीवा जिले को जनप्रतिनिधि व विभागीय मैदानी अमला चुनौती मानकर पूरे दृढ़ संकल्प के साथ इसे न्यून करेंगे। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कराकर उनकी नियमित जाँच की जाए। स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रत्येक माह की 9 व 25 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्र में अनिवार्यतः उपस्थित रहें और इनकी जाँच करें। श्री शुक्ल ने कहा कि टेलीमेडिसिन सुविधा का लाभ प्राप्त कर वरिष्ठ चिकित्सकों से भी परामर्श लेकर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जाँच व इलाज कराएं। उन्होंने यूनिसेफ के प्रतिनिधि से अपेक्षा की कि कलेक्टर द्वारा सुझाए गए क्लस्टर के गांवों में शत-प्रतिशत महिलाओं व नवजात शिशुओं के इलाज व जाँच में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम के सहयोग व निष्ठापूर्वक किए गए कार्य से ही रीवा जिले में आगामी 6 माह में सार्थक परिणाम सामने आएंगे और इस कार्यशाला का औचित्य सफल होगा। श्री शुक्ल ने परामर्श दिया कि स्कूल जाने वाली बालिकाओं के स्वास्थ्य की भी नियमित जाँच हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने में सभी सहभागी बनें। प्रदेश सरकार में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की उपलब्धता की दिशा में कारगर प्रयास जारी हैं।

कार्यशाला में गंगेव जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के प्रयास जारी हैं। जनप्रतिनिधि व विभागीय अमला शिशु व मातृ मृत्यु दर को कम करने में अपनी भूमिका का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे।

नईगढ़ी में रात को लगी भीषण आग, अनाज और भूसा जलकर राख

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बैरिहा में शनिवार रात करीब 10:30 बजे अतुल पांडे के घर में अचानक आग लग गई। परिवार खाना खाकर सो रहा था, तभी कमरे में धुआं भरने लगा। अतुल पांडे परिवार के साथ खाना खाकर कमरे में सो रहे थे। उनकी बेटी पायल ने बाहर जाकर देखा तो घर में आग लगी थी। परिवार ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया। ग्रामीणों और परिवारजनों ने मिलकर आग पर काबू पाया।

हादसे में लाखों का नुकसानः आग में दो कमरे का मवेशी घर और एक कमरे का रिहायशी मकान जल गया। भूसा और रखा हुआ अनाज भी पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार को लाखों का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। थाना नईगढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक राकेश सिंह के अनुसार सूचनाकर्ता की रिपोर्ट पर आगजनी का मामला दर्ज कर जांच बीट प्रभारी को दी गई है। पुलिस आगजनी के कारणों की जांच कर रही है।

काटे जाएंगे 150 घरों के नल कनेक्शन, बकायादारों को लेकर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम अब पानी के बकायादारों पर सख्ती करने जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं पर दो से ढाई लाख रुपए तक बकाया है, उनके पानी के कनेक्शन काटे जाएंगे। इस श्रेणी में 150 से अधिक घर आ रहे हैं। निगम ने सभी को पहले ही नोटिस जारी कर दिए हैं और अब बिल चुकाने की अंतिम चेतावनी दी गई है।

आयुक्त ने दिए सख्त निर्देशः यह फैसला नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने लिया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन घरों पर भारी बकाया है, उनके कनेक्शन तुरंत काटे जाएं। साथ ही उपभोक्ताओं से तुरंत बकाया राशि जमा कराने को कहा गया है।

विकास कार्यों में अटक रहा पैसाः नगर निगम का कहना है कि शहर में विकास कार्य तभी हो पाएंगे, जब बकायादार समय पर बिल का भुगतान करेंगे। आयुक्त पहले भी कई कड़े फैसले ले चुके हैं और यह कदम भी शहर की व्यवस्था सुधारने के लिए उठाया गया है।

लगातार चेतावनी के बाद भी लापरवाहीः आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने कहा, यह कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ है, जो लंबे समय से बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं और लगातार चेतावनी के बाद भी लापरवाही बरत रहे हैं।

बारिश से मकान की दीवार गिरी, सोते हुए युवक मलबे में दबा; अस्पताल में एडमिट

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में पिछले 24 घंटे से जारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। लौर थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी में शनिवार रात करीब 1 बजे एक कच्चे मकान की दीवार गिर गई। हादसे में छोटेलाल कुशवाह मलबे में दब गए। आसपास के लोग दीवार गिरने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत मलबा हटाकर घायल छोटेलाल को बाहर निकाला। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

उमेश पटेल के अनुसार, छोटेलाल की हालत अभी स्थिर है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश से पुराने और जर्जर मकानों के गिरने का खतरा है। वे प्रशासन से ऐसे मकानों का सर्वे कराने और प्रभावित परिवारों को राहत देने की मांग कर रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सांदीपनी विद्यालय में किया उग्र आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रीवा जिले की सेमरिया तहसील इकाई द्वारा सी.एम. राइज विद्यालय सेमरिया में व्याप्त समस्याओं को लेकर 10 सूत्रीय ज्ञापन प्राचार्य को सौंपा गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सेमरिया इकाई के नगर मंत्री गौरव मिश्र ने बताया कि हाल ही में गत दिवस विद्यालय परिसर में एक छात्रा को करंट लगने की घटना सामने आई थी । उन्होंने बताया कि विद्यालय की छात्र सेजल साकेत की शौचालय के दरवाजे से करंट लगने के कारण गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती है , पूर्व में भी कई विद्यार्थियों द्वारा करंट उतरने की शिकायत शिक्षकों एवं प्राचार्य कार्यालय में की गई थी लेकिन उक्त विषय को गंभीरता से नहीं लिया गया । ।

उक्त विषय की गंभीरता स्पष्ट है लेकिन घटना के बाद विद्यालय प्रशासन समेत शिक्षकों का रवैया अत्यंत अमानवीय है ।करंट लगने के बाद भी छात्रा को काफी समय तक वहीं पड़े रहने दिया गया जिससे उसकी हालत और बिगड़ गई जिसके बाद वहां के छात्रों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। विद्यालय प्रशासन की ओर से किसी प्रतिनिधि द्वारा समय रहते उसका कुशलक्षेम जानने का प्रयास नहीं किया गया जो कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

विद्यालय परिसर में विभिन्न कक्षाओं की छत भी क्षतिग्रस्त है जो कि कभी भी किसी बड़ी घटना को आमंत्रण दे सकती है। कई कक्षाएं टीन शेड के नीचे संचालित है जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह बना हुआ है। विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन योजना में जो भोजन विद्यार्थियों को परोसा जाता है उसकी गुणवत्ता को लेकर भी विद्यार्थियों समेत अभिभावकों द्वारा सवाल उठाया जाता रहा है ।विद्यालय में प्रतिभावान खिलाड़ियों को न तो खेल सामग्रियां उपलब्ध कराई जाती साथ ही विद्यालय से बाहर खेलने जाने के लिए अवैध रूप से किराया वसूला जाता है जो कि होनहार ग्रामीण विद्यार्थियों के साथ घोर अन्याय है। शासन द्वारा विद्यालय स्तर पर प्रबंध किए जाने का आदेश है ।विद्यालय परिसर में साफ सफाई का भी अभाव देखने को मिलता है। शौचालयों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। शुद्ध पेय जल की भी विद्यालय परिसर में पर्याप्त व्यवस्था का अभाव देखने को मिलता है। संदीपनी विद्यालय प्रदेश का एक आदर्श विद्यालय माना जाता है। और ऐसे प्रतिष्ठित विद्यालय में आधारभूत सुविधाओं का ना होना अत्यंत चिन्ता का विषय है।

नदना हादसे में मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख मुआवजा, कच्ची दीवार के नीचे दबने से हुई थी दो की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नदना गांव में दीवार गिरने से दो लोगों की हुई मौत के बाद अब जिला प्रशासन ने उनके लिए राहत राशि का ऐलान कर दिया है। जहां पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपए राहत राशि दी जाएगी। घटना शनिवार शाम की है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है, मृतकों के परिवारों को संबल योजना के तहत चार चार लाख की राहत राशि और अंत्येष्टि के तौर पर पांच पांच हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।

कैसे हुआ था हादसाः दरअसल रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के नदना गांव में शनिवार शाम चार बजे एक मकान की कच्ची दीवार गिर गई। दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब मकान मालिक और दो मजदूर मिलकर पुरानी कच्ची दीवार को गिरा रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नदना गांव निवासी रावेंद्र सिंह अपने घर की पुरानी कच्ची दीवार को गिराने के लिए दो मजदूरों, गणेश कोल और रिंकू कोल, को काम पर लगाया था। शनिवार को जब तीनों मिलकर दीवार गिरा रहे थे, तभी अचानक दीवार भरभराकर गिर गई। रावेंद्र सिंह और दोनों मजदूर दीवार के मलबे में दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक व्यक्ति घायलः घटना की सूचना मिलते ही बैकुंठपुर थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने रावेंद्र सिंह और गणेश कोल को मृत घोषित कर दिया, जबकि रिंकू कोल की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है।

निगम आयुक्त से मिला सिंधी सेंट्रल पंचायत का प्रतिनिधि मंडल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिन्धी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह जी के नेतृत्व में सेंट्रल पंचायत का प्रतिनिधि मंडल नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवड़े से उनके कार्यालय में मिला। मुलाकात के दौरान सबसे पहले प्रतिनिधि मंडल ने आयुक्त महोदय को झूलेलाल मुक्तिधाम लक्ष्मण बाग में निर्माण कार्यों के लिए 18 लाख का बजट स्वीकृत करने के लिए उनका धन्यवाद आभार व्यक्त किया। मुक्तिधाम का निरीक्षण करने वे स्वयं आए फिर निर्माण कार्यों से संबंधित इंजीनियर और प्रशासनिक टीम को भेज कर सर्वे की कार्रवाई को पूर्ण कर बजट स्वीकृत करवाया।

रीवा सिन्धी सेंट्रल पंचायत के प्रवक्ता गुलाब साहनी ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सिन्धी समाज के गरीब परिवार जिनके पास रहने के लिए अपने मकान नहीं हैं और वे किराए के मकान में निवासरत हैं और इस योजना के तहत पात्रता रखते है ऐसे लगभग

100परिवारों ने सेंट्रल पंचायत में मकान दिलाए जाने के संबंध मे आवेदन दिया।

पंचायत के सदस्यों ने उन सभी का ऑनलाइन आवेदन करवा कर मुख्य कॉपी को नगर निगम कार्यालय में जमा कराया और एक कॉपी रिकॉर्ड के तौर पर अपने पास सुरक्षित रखी। नगर निगम आयुक्त महोदय से इस संबंध में विस्तार से चर्चा हुई और सभी परिवारों को एक साथ आवास दिए जाएं ऐसा उनसे निवेदन किया गया ताकि समाज के लोग एकत्र होकर रह सके तो आयुक्त महोदय ने इस मांग को स्वीकार कर आगे की कार्यवाही के लिए अग्रेषित किया।

रीवा में बनेगा 150 करोड़ रुपए का फ्लाईओवर, कॉलेज चौराहे से ढेकहा तिराहे तक सुगम होगा यातायात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में 150 करोड़ की लागत से नया फ्लाईओवर बनाया जाएगा। यह फ्लाईओवर कॉलेज चौक से शुरू होकर संभागीय कमिश्नर आवास, कलेक्ट्रेट होते हुए ढेकहा तिराहे के आगे तक बनाया जाएगा। निर्माण के बाद ढेकहा तिराहे पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी और शहर का ट्रैफिक सुगम होगा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण रीवा से लखनादौन राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर हादसे रोकने के लिए अंडरपास और

ओवरब्रिज का निर्माण करा रहा है। इसी कड़ी में केन्द्रीय मंत्री की स्वीकृति पर रीवा शहर को 150 करोड़ का फ्लाईओवर मिला है।

रीवा विधायक की मांग पर स्वीकृतिः यह फ्लाईओवर उपमुख्यमंत्री और रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ल की मांग पर स्वीकृत किया गया। शहर में बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए इसकी जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब इसके निर्माण से रीवा के विकास को नई दिशा मिलेगी।

जबलपुर में सबसे लंबा फ्लाईओवर बनकर तैयारः इससे पहले मध्यप्रदेश का सबसे लंबा फ्लाईओवर जबलपुर में बनकर तैयार हुआ। इसका नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखा गया है।

वाल्मीकि समाज के बच्चों के सम्मान से उनके माता-पिता गौरवान्वित हुए हैं: राजेन्द्र शुक्ल

भारतीय वाल्मीकि जन विकास संघ द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति ही समाज और देश का नेतृत्व करता है। बाल्मीकि समाज के बच्चों के सम्मान से उनके माता-पिता गौरवान्वित हुए हैं। बच्चों के सम्मान से उनके परिजनों का भी सम्मान हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय वाल्मीकि जन विकास संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

मानव भवन में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि समाज भी शिक्षा के प्रति जागरूक है। उन्होंने अपने बच्चों को कड़ी मेहनत कर पढ़ाया है। शिक्षा से ही विकास होता है और सुनहरे सपने शिक्षा के ही माध्यम से साकार होते हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मान प्राप्त करने से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और उनसे प्रेरणा लेकर अन्य विद्यार्थी व परिजन शिक्षा के प्रति अपनी रूचि को सशक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज के विद्यार्थी प्रतिभावान हैं। जरूरत इस बात की है कि उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने अपेक्षा की कि समाज के बच्चे लगन से शिक्षा लेकर आगे भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने बाल्मीकि समाज द्वारा प्रस्तुत मांगों से सहमत होते हुए उनकी पूर्ति कराए जाने के लिए आश्वस्त किया। कार्यक्रम को पूर्व पार्षद सतीश सोनी एवं शिवदत्त पाण्डेय, हेमलता सिंह, चिंटू सोनी एवं सुरेशचन्द्र ने भी संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री का वाल्मीकि समाज द्वारा शॉल एवं प्रतीक चिन्ह सौंपकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर एनडी अटवाल, अटल हरिओम, राजेन्द्र करोसिया, मुन्ना वाल्मीकि, बुद्धसेन करोसिया, संगीता करोसिया सहित बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोग, प्रतिभाशील विद्यार्थी तथा उनके परिजन उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर पलटने से ड्राइवर की मौत, कई जगह से टूटी हड्डियां

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के पकरा गांव में शनिवार रात एक ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हनुमान मंदिर के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चालक रामकरण साकेत उर्फ गुड्डू की मौत हो गई। घटना के समय रामकरण ट्रैक्टर चला रहे थे। ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ने से वह पलट गया। चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि की मौजूदगी में ट्रैक्टर को सीधा किया। चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बाताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक के पैर और हाथ की हड्डियां कई जगह से टूट गई थीं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।